RNI NO. UPHIN/2012/46248

गाजियाबाद से प्रकाशित

सुविचार

'अच्छा दिखने के लिए नहीं बल्कि अच्छा बनने के लिए जियो..!'

अभी वार्ता

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● वर्ष 10 ● अंक 28 ● गुरूवार 22 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 06 ● पेज मूल्य : 3 रुपए

आंध्र प्रदेश के वामशी ने एक ओवर में छह छक्के लगाए, युवी-ऋतुराज-शास्त्री के क्लब में शामिल

नई दिल्ली। कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी टूनार्मेंट में आंध्र प्रदेश के बल्लेबाज वामशी कृष्णा ने बुधवार को विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने एक ओवर में लगातार छह छक्के जड़कर इतिहास रच दिया। इसी के साथ वह रवि शास्त्री, युवराज सिंह और ऋतुराज गायकवाड़ के क्लब में शामिल हो गए।

बुधवार को कडप्पा में रेलवे के खिलाफ खेले गए मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज वामशी ने विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने एक ओवर में छह छक्के जड़कर क्रिकेट जगत में कोहराम मचा दिया। रवि शास्त्री (1985), युवराज सिंह (2007) और ऋतुराज गायकवाड़ (2022) के बाद वह एक ओवर में छह छक्के जड़ने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए।

वामशी का अविश्वसनीय प्रदर्शन

वामशी ने रेलवे के गेंदबाज दमनदीप सिंह के खिलाफ अविश्वसनीय पारी खेली। इस ओवर में उन्होंने छह छक्के जड़कर 36 रन बटोर लिए। इस विस्फोटक पारी के दम पर वामशी ने 54 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने इस मुकाबले में रेलवे के खिलाफ 64 गेंद में 110 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 12 छक्के और चार चौके निकले। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर वामशी के इस कारनामे का वीडियो साझा किया है।

युवी-ऋतुराज-शास्त्री भी जड़ चुके एक ओवर में छह छक्के

10 अगस्त 1985 को रवि शास्त्री ने बड़ौदा के खिलाफ रणजी मुकाबले में ये कारनामा किया था। उन्होंने तिलक राज को निशाना बनाते हुए एक ओवर में छह छक्के लगाए थे।

वहीं, 19 सितंबर 2007 को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में युवराज सिंह ने स्टुअर्ट ब्रॉड को निशाना बनाया था।

उन्होंने इंग्लिश गेंदबाज के ओवर में लगातार छह छक्के ठोककर सनसनी मचा दी थी।

युवी के अलावा ऋतुराज गायकवाड़ ने साल 2022 में विजय हजारे ट्रॉफी में इतिहास रचा था। महाराष्ट्र के इस बल्लेबाज ने यूपी के शिवा सिंह के खिलाफ एक ओवर में सात छक्के ठोके थे।

जिला परिषद के प्रथम अध्यक्ष स्व.ब्यास प्रसाद सिंह की छठी पुण्यतिथि मनी

नई दिल्ली। जिला परिषद के प्रथम अध्यक्ष,पंचायती राज एवं सहकारिता आंदोलन के अगुवा स्व.ब्यास बाबू की छठी पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव हकाम में डा. प्रिंस कुमार के आवास पर मनायी गयी। हर साल की तरह इस साल भी उनके पुण्यतिथि पर बच्चों को लेखन पुस्तिका एवं लिखनी सामग्री का वितरण किया गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने दिवंगत नेता के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। युवा जदयू के पूर्व प्रदेश महासचिव डा. प्रिंस कुमार ने जिला परिषद के प्रथम अध्यक्ष ब्यास बाबु के कृतित्व एवं व्यकितत्व की चर्चा करते हुए कहा कि ब्यास बाबू एक एसे व्यक्ति थे जिन पर इलाके के गरीब से गरीब व्यक्ति के हृदय में यह विश्वास रहता था कि किसी भी तरह की समस्या हो उनसे सहयोग एवं न्याय अवश्य मिलेगा।

वही उनके पुत्र प्रमोद कुमार सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मौके पर पूर्व जिला परिषद प्रत्याशी मोहन सिंह पहलवान,डा.संतोष द्विवेदी,जदयू के पूर्व जिला महासचिव अभय पाण्डे, अम्बुज सिंह, राजीव पराशर, रूपेश कुमार,रवीश कुमार उर्फ बबुआ जी,संदीप कुमार सिंह,राजेश प्रसाद,अख्तर अली, नागेंद्र ठाकुर,अमृत सोनी,संजय साह सहित कई ग्रामीण एवं शुभचिंतक मौजूद रहे।

भाजपा में शामिल होंगे क्रिकेटर युवराज सिंह! इस सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पंजाब की राजनीति में पिछले कुछ दिन से चचाओं का बाजार गर्म है। पार्टियों के आपसी गठबंधन को लेकर तो आए दिन चर्चा चल ही रही है, वहीं नेताओं के भी एक पार्टी को छोड़कर दूसरी में जाने की खबरें चलती रहती हैं।

पहले बात चल रही थी कि पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू भारतीय जनता पार्टी का हाथ थाम सकते हैं लेकिन सिद्धू ने इस बात को सिरे से नकार दिया था। अब सियासी गलियारों में चर्चा चल रही है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह भाजपा में आ सकते हैं लेकिन अभी तक क्रिकेटर ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

चर्चा है कि लोकसभा चुनाव से पहले युवराज भाजपा में आ सकते हैं और उनको गुरदासपुर से लोकसभा सीट से उतारा जा सकता है। पिछले लोकसभा चुनाव में अभिनेता सनी देओल ने गुरदासपुर सीट से चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की थी।

दंगे के लिए कांग्रेस विधायक की IT सेल ने की थी 500-500 रुपये की उगाही, बने थे व्हाट्सएप ग्रुप

दिल्ली-एनसीआर। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका के विधायक मामन खान इंजीनियर की आईटी सेल ने दंगा भड़काने के लिए 500-500 रुपये की उगाही की थी। रुपये जुटाने के लिए आईटी सेल ने कई व्हाट्सएप ग्रुप बनाए थे। इतना ही नहीं विधायक के सुरक्षा कर्मी जयप्रकाश के बयान के मुताबिक मामन खान ने 29 से 31 जुलाई के दौरान फिरोजपुर झिरका विधानसभा के गांव अटेरना शमशाबाद, साइमीर बास, पाठखोरी, रानीका, माडीखेड़ा व पुन्हाना खंड के गांव सिंगार का दौरा भी किया था।

बीते वर्ष 31 जुलाई को हुई हिंसा में नगीना के बड़कली चौक पर हिंदू समाज के दुकानदारों की दुकानें चुन-चुनकर जलाई गई थीं। इसका असर फिरोजपुर झिरका और सिंगर और नूंह में भी दिखाई दिया था। तनाव के कारण महीनेभर बाजार बंद रहे थे। पिछले महीने 15 जनवरी को दाखिल किए गए आरोप पत्र में कांग्रेस विधायक मामन खान समेत 44 आरोपियों पर यूएपीए की धारा 3,10,11 भी लगाई गई है। आमतौर पर यह धारा देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर लगाई जाती है।

नगीना पुलिस थाना के जांच अधिकारी रतन सिंह ने बताया कि फिरोजपुर झिरका के कांग्रेस विधायक मामन खान समेत 44 आरोपियों पर गैर कानूनी गतिविधियां अधिनियम 2019 (यूएपीए) की धाराएं लगाई गई हैं।

वसुंधरा सेक्टर 2 बी में रामकथा का आयोजन

वसुंधरा। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरे देश का माहौल राममय है।सभी जगह राम नाम की महिमा का गुणगान चल रहा है। वसुंधरा सेक्टर 2 इ के निवासियों की प्रबल इच्छा को देखते हुए राम को अच्छे से समझने के लिए कॉलोनी के अंदर ही रामकथा के आयोजन का आग्रह किया गया।

कॉलोनी के ही निवासी आचार्य श्री शंकर मिश्र ने आग्रह स्वीकार करते हुए नौ दिवसीय कथा करने का निश्चय लिया।

कथा का आज आठवां दिन था। कल कथा की समाप्ति होगी। दिन के 3.30 बजे से आरंभ होकर 7 बजे तक कथा के बाद हवन होगा उसके बाद प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चलेगा। प्राचीन श्री राम दूत हनुमान मंदिर के पंडित संजय भारद्वाज जी ने सभी भक्तों को कल दिनांक 22/2/24 को उपस्थित रहने का आग्रह किया।

सीएम मोहन यादव का तोहफा, इस बार एक मार्च को मिल जाएगा लाडली बहनों को 'भाई का प्यार'

बालाघाट। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाडली बहनों को खुशखबरी दी है। उन्होंने त्योहारों को देखते हुए एक मार्च को ही बहनों के खाते में लाडली बहना योजना की राशि डालने का फैसला किया है। ये जानकारी उन्होंने स्वयं बालाघाट के एक कार्यक्रम में दी।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की करोड़ों लाभार्थी बहनों के लिए सीएम यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि इस बार निर्धारित समय से पूर्व योजना की किस्त बहनों को दी जाएगी। आगामी शिवरात्रि और होली के त्योहारों को देखते हुए मार्च की अगली किस्त 10 तारीख के बजाय 1 मार्च को ही बहनों के खाते में डाल दी जाएगी ताकी बहनों को त्योहारों पर कोई परेशानी ना हो।

क्या है रायसीना डायलॉग? जिसमें शामिल हो रहे 115 देशों के प्रतिभागी, जानें सम्मेलन का एजेंडा

नई दिल्ली। रायसीना डायलॉग सम्मेलन के नौवें संस्करण की शुरूआत 21 फरवरी से हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में इस हाई-प्रोफाइल सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस मुख्य अतिथि हैं।

सम्मेलन में दुनियाभर के राजनेता और दूसरे क्षेत्रों के अग्रणी लोग हिस्सा ले रहे हैं। इसमें वैश्विक समुदाय के सामने आने वाले गंभीर मुद्दों पर वार्ता की जाएगी। यह कार्यक्रम 23 फरवरी तक चलेगा।

आइये जानते हैं आखिर रायसीना डायलॉग क्या है? सम्मेलन के मौजूदा संस्करण में क्या-क्या होना है? कार्यक्रम के मेहमान कौन हैं? सम्मेलन का एजेंडा क्या है?

रायसीना डायलॉग क्या है?

रायसीना डायलॉग एक वार्षिक सम्मेलन है जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जाता है। रायसीना डायलॉग भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख सम्मेलन है जिसका उद्देश्य वैश्विक समुदाय के सामने आने वाले सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों को हल करना है। रायसीना डायलॉग की शुरूआत साल 2016 में की गई थी।

हर साल, राजनीति, व्यापार, मीडिया और नागरिक समाज के नेता नई दिल्ली में जुटते हैं। इस दौरान ये दुनिया की स्थिति पर चर्चा करते हैं और समसामयिक मामलों पर सहयोग के अवसर तलाशते हैं। संवाद में राष्ट्र प्रमुख, कैबिनेट मंत्री और स्थानीय सरकार से जुड़े अधिकारी शामिल होते हैं। इसके अलावा निजी क्षेत्र, मीडिया और शिक्षा जगत के विचारक भी कार्यक्रम से जुड़ते हैं।

सम्मेलन की मेजबानी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ साझेदारी में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन करता है। इसमें कई संस्थानों, संगठनों और व्यक्तियों का समर्थन भी हासिल होता है।

'दीदी' ने बना दी जोड़ी, अखिलेश के इन दो विकल्पों के आगे ढेर हो रही थी कांग्रेस की रणनीति

नई दिल्ली। कई झटके खाने के बाद अंततः सपा-कांग्रेस के बीच गठबंधन तय हो गया है। यूपी की 80 में से 17 सीटों पर कांग्रेस और शेष 63 सीटों पर समाजवादी पार्टी और गठबंधन के अन्य दल चुनाव लड़ेंगे। जिस समय यह माना जा रहा था कि सपा-कांग्रेस के बीच गठबंधन टूटना तय हो गया है, प्रियंका गांधी ने अखिलेश यादव से सीधी बातचीत कर पूरा मामला पलट दिया। उन्होंने समाजवादी पार्टी नेता को न केवल कांग्रेस को उन सीटों को देने के लिए मना लिया, जिन्हें समाजवादी पार्टी देने के लिए तैयार नहीं थी, बल्कि पूर्व से पश्चिम तक प्रदेश में कांग्रेस के मजबूत होने की नींव भी रख दी।

दरअसल, कांग्रेस नेताओं की चिंता यह थी कि यदि पार्टी सपा की दी हुई कम प्रभाव वाली सीटों पर लड़ेगी, तो इससे न केवल उसका इस चुनाव में नुकसान होगा, बल्कि पार्टी हमेशा के लिए यूपी में कमजोर हो जाएगी।

सपा ने कांग्रेस को वे सीटें भी दी थीं, जहां पर उसके परंपरागत मतदाताओं का ज्यादा प्रभाव नहीं था, यही कारण है कि दोनों दलों के बीच गठबंधन अंततः टूटने की कगार पर पहुंच गया था।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, लेकिन अंतिम समय में प्रियंका ने बात संभाली। उन्होंने अखिलेश यादव को बताया कि यदि वे साथ नहीं लड़ते हैं, तो इससे केवल इस चुनाव में ही हार नहीं होगी, बल्कि विपक्ष की आगे की चुनावी राजनीति भी प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि अंततः दोनों दलों के बीच समझौता हो गया।

कांग्रेस के भविष्य के लिए राहुल चिंतित

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने अमर उजाला को बताया कि जब दिल्ली में यूपी के नेताओं से राहुल गांधी की बातचीत हुई थी, उसी समय राहुल गांधी ने यह बात कह दी थी कि यदि समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन होता है और गठबंधन में रहकर 15-20 सीटों पर लड़कर कांग्रेस चार-पांच सीटें जीत भी लेती है, तो इससे पार्टी का भविष्य उज्जवल नहीं होगा। राहुल के अनुसार, भविष्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए उसे रणनीति बनाकर लंबे समय तक उस पर काम करना होगा।

राहुल गांधी पार्टी का आधार मजबूत करने की बात करते रहे हैं, लेकिन सपा जिस तरह से सीटों का बंटवारा कर रही थी, उससे कांग्रेस का कोई उद्देश्य हल नहीं हो रहा था।

सार सुर्खिया

ससुराल वालों ने पति का करा दिया दूसरा विवाह

अलीगढ़। गोंडा थाना क्षेत्र के गांव उत्तमपुरी निवासी सेवानिवृत्त फौजी देवेंद्र सिंह ने बेटी कविता चौधरी की शादी वर्ष 2012 में सपेराभानपुर गांव निवासी आदेश कुमार पुत्र अवधेश कुमार के साथ की थी। अवधेश कुमार ग्राम प्रधान हैं।

कविता का आरोप है कि शादी के बाद से अतिरिक्त दहेज के लिए उनका मानिसक और शारीरिक उत्पीड़न किया जा रहा था। चार-पांच साल तक संतान न होने पर ससुराल वालों का अत्याचार बढ़ गया। कुछ समय पहले पति के मोबाइल में दूसरी शादी की फोटो मिली। इसका विरोध करने पर ससुराल वालों ने मिलकर पीटा और घर से भगा दिया।

ट्रैक्टर और कार की टक्कर में दो लोग घायल

अलीगढ़ थाना विजयगढ़ के गांव परौरी निवासी विकास पुत्र नेम सिंह अपने साथी सोम प्रकाश पुत्र बाबू सिंह निवासी कठैरा आलमपुर के साथ बुधवार को कार से कासगंज की ओर से गांव लौट रहे थे। गांव कासिमपुर के निकट सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से कार की टक्कर हो गई।

इससे कार सवार दोनों लोग घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और सूचना देकर पीआरवी कर्मियों व एंबुलेंस को बुला लिया। एंबुलेंस के जरिये घायलों को अस्पताल भेजा गया।

सिपाही के घर से 95 हजार रुपये व लाखों के जेवर चोरी

अलीगढ़। सिपाही अर्जुन सिंह फरुर्खाबाद जनपद के थाना कमालगंज में तैनात हैं। कस्बे में माता-पिता के घर के बगल में उनका घर है, जिसमें पत्नी प्रियंका रहती है। घर पर ताला बंद कर प्रियंका यूपी पुलिस भर्ती की परीक्षा देने के लिए शनिवार को अलीगढ़ गई थी। इसके बाद लौटते हुए वह अकराबाद थाना क्षेत्र के गांव जुझारपुर में अपनी ननद के यहां रुक गई थीं।

बुधवार की सुबह पड़ोसियों ने बराबर रहने वाले सिपाही के माता-पिता को जानकारी दी तो वह बेटे के घर पहुंचे। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का भी ताला टूटा हुआ था। घर से करीब 200 मीटर दूर जंगल में खाली अटैची व बैग पड़े मिले। चोरी की सूचना पाकर घर पहुंची सिपाही की पत्न ी का रोकर बुरा हाल था।

थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार मलिक ने बताया दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। एसओजी टीम भी साथ लगी है ।जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा।

दरोगा ससुर ने भी पत्नी के जेवर बेटी को दे दिए थे

सिपाही अर्जुन सिंह के ससुर बलवीर सिंह भी यूपी पुलिस में दरोगा हैं और दादों कस्बे के ही निवासी हैं। उनकी पत्नी का सड़क हादसे में निधन हो गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी के जेवर भी बेटी प्रियंका को दे दिए थे। हालांकि बुधवार की देर शाम तक थाने में तहरीर नहीं पहुंची थी। इससे स्पष्ट नहीं है कि कितने कीमत के जेवर चोरी हुए हैं।

रामकृष्णाचार्य ने बयां किए नेपाल के हालात, बोले- सनातन को खतरा चीन से नहीं, पश्चिमी देशों से

अलीगढ़। अलीगढ़ में चतरा धाम नेपाल से आए जगतगुरू रामानन्दाचार्य पद समलंकृत स्वामी श्री रामकृष्णाचार्य महायोगी सिद्धबाबा महाराज श्री ने कहा

कि नेपाल के सनातन समाज को सबसे बड़ा खतरा चीन से नहीं, पश्चिमी देशों से है, क्योंकि नेपाल में भौगोलिक दखल से वह चीन और भारत दोनों पर नजर रख सकते हैं। इसके लिए नेपाल में गरीब हिंदुओं का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है।

स्वामी श्री रामकृष्णाचार्य ने पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध है, लेकिन पश्चिमी शक्तियां नहीं चाहतीं कि विश्व में सनातन की ध्वजा लहराए, इसलिए यह शक्तियां नेपाल के गरीबी वाले क्षेत्रों में अन्नदान, शिक्षा, चिकित्सा आदि के नाम पर भोलेभाले लोगों को बहलाकर धर्म परिवर्तन करा रही हैं। इन लोगों ने ईसा मसीह को भगवा रंग में रंग दिया है, ताकि लोग जल्द ही भ्रमित हों।

उन्होंने बताया कि विश्व का कल्याण केवल सनातन ही कर सकता है। उन्होंने बताया कि हिमालय ही संसार की उत्पत्ति का कारक है। कोसी नदी के किनारे वाराह क्षेत्र में आठ अरब वर्ष पूर्व भगवान वाराह ने रसातल से पृथ्वी को निकाला था। इस दौरान सतीश गौड, प्रवीन अग्रवाल मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा में धांधली का आरोप लगाकर प्रदर्शन

अलीगढ़। पुलिस भर्ती परीक्षा में धांधली और पेपर लीक होने का आरोप लगाकर अभ्यर्थियों ने परीक्षा निरस्त करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर पालिका के चेयरमैन, ईओ, एडीएम और एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

कहा कि पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने से वह मानसिक तनाव में हैं। नगर पालिका पहुंचकर उन्होंने चेयरमैन चेयरमैन संजय शर्मा व ईओ निषाद मधुरमय को ज्ञापन सौंपा। वहीं जिला पंचायत सदस्य कुलदीप चौधरी की अगुआई में तहसील पहुंचकर अपर जिलाधिकारी मीनू राणा और एसडीएम दिग्विजय सिंह को ज्ञापन सौंपा।

एडीएम मीनू राणा ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांग और ज्ञापन शासन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने युवाओं से शांतिपूर्वक अगली प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। ज्ञापन देने वालों में विकास कुमार, धर्मेंद्र तोमर, हरीश माहौर, नीतू चौधरी, धीरज सिंह, पंकज, लक्ष्य कुमार, नितिन गौतम, टीटूराम, रणधीर सिंह, पवनकुमार, अरविंद कुमार, आकाश कुमार, अजीत कुमार, अमित कुमार, अटल चौधरी आदि शामिल रहे।

टायर फटने से खंती में गिरी मेटाडोर

अलीगढ़। कस्बे के अतरौली रोड पर गुप्ता मोड़ के निकट टायर फटने से आलू से भरी मेटाडोर अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई। इससे चालक घायल

हो गया। दमकल कर्मियों की मदद से पुलिस कर्मियों ने घायल चालक को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

कस्बा निवासी दुलारे पुत्र बशीर जहांगीराबाद से मेटाडोर में आलू भरकर छर्रा मंडी समिति आ रहे थे। मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे गुप्ता मोड़ के निकट मेटाडोर का टायर फट गया। इससे मेटाडोर अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई। इससे दुलारे गाड़ी के अंदर ही फंस गए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उन्हें गाड़ी के अंदर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा सका।

नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

गाजियाबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस क्रम में एक संगोष्ठी का आयोजन विकास कुंज लोनी में किया गया जिसमें नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद के रिटायर्ड उपनिदेशक श्री राजेश जादौन जी ने बोलते हुए कहा की हर वह व्यक्ति चाहे लड़का हो या लड़की जिसने 18 साल की आयु पूरी कर ली है उन्हें अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यदि ही कुछ लोग जो अभी तक अपना मत नहीं बनवा पाए हैं तो वह मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता (स्वीप) की

वेबसाइट या अपने ब्लॉक में मिलकर के अपना मत बनवा ले तथा अपने मत का प्रयोग अवश्य करें।

इस अवसर पर उपनिदेशक, श्री देवेंद्र कुमार नेहरू युवा केंद्र, गाजियाबाद ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति पर अपने मत को डालने का कर्तव्य और दायित्व होता है।

सरकार चाहे केंद्र में हो राज्य में हो महानगरपालिका हो नगर पालिका हो या ग्राम सभा हो सभी हर 5 साल के बाद वोट के माध्यम से ही चुनी जाती हैं अतः लोकतंत्र में हम सभी को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए ।

इसलिए आज हम सभी यह संकल्प लें कि आने वाले चुनाव में हम सभी स्वयं का वोट डालते हुए अपने परिवार के सभी सदस्यों का वोट अवश्य डलवाए तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

इस वर्ष मतदाता दिवस की थीम वोट जैसा कुछ भी नहीं हमें वोट जरूर करना है को अपना लक्ष्य बनाए।

इस अवसर पर सभी को मतदाता शपथ दिलाई गई।

युवाओं ने भी मतदाता जागरूकता पर अपने विचार रखे तथा कविताएं सुनाई।

कार्यक्रम का संयोजन इंदिरा महिला विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती माया चौहान ने किया जिसमे अनामिका गर्ल्स इंटर कॉलेज, विकास कुंज लोनी के प्रबंधक,श्री नरेंद्र त्यागी ने किया सहयोग किया।

इस कार्यक्रम में अमित कुमार शशि चौहान, माया चौहान, पूनम देवी जितेंद्र सेन प्रवेश कुमार सचिन चंदेल आदि युवक , युवतियों तथा राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक श्री तालिब ने भाग लिया।

किसानों के आह्वान पर पुलिस अलर्ट, एनएच-9 पर लगा जाम

साहिबाबाद। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आज 21 फरवरी को डीएम दफ्तर और एनडीए सांसदों के क्षेत्र में प्रदर्शन करने के एलान से पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। मंगलवार को यूपीगेट और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 व दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर पुलिस बल तैनात रहा। इस बीच हाईवे पर सुबह से दोपहर तक वाहनों के बीच जाम की स्थिति रही। दिनभर में अधिकारी किसान संगठनों की गतिविधियों की जानकारी लेने में जुटे रहे। वहीं, खुफिया विभाग और लोकल इंटेलिजेंस के अधिकारी किसान और उनके इलाकों पर नजर बनाए हुए हैं।

यूपीगेट पर किसानों के आने की संभावना पर पिछले दस दिनों से दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बार्डर पर बैरिकेडिंग की हुई है। भारतीय किसान यूनियन से जुड़े कुछ किसान यूपीगेट पहुंच गए। उन्हें पुलिस बल ने हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। मगर अब किसानों के तेवर देखकर पुलिस अधिकारी अलर्ट हो गए हैं। पुलिस कमिश्नर से लेकर तमाम अधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले चुके हैं। मंगलवार को भी दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे व एनएच-9 पर बैरिकेड से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ी रही। मंगलवार सुबह वाहनों का जाम लगने से लोगों को दिल्ली जाने में दिक्कत हुई। पीक समय में चालक और अन्य लोगों के बीच जाम में तीखी नोकझोंक भी हुई, लेकिन वाहनों की गति बढ़ने से चालक आगे बढ़ गए और विवाद ज्यादा नहीं हुआ। दिल्ली यातायात पुलिस के जवानों ने जाम खुलवाकर लोगों को राहत दी।

हालांकि, जाम की यह स्थिति दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तक रही। इसके बाद वाहनों की संख्या कम होने से स्थिति सामान्य हुई। उधर, ट्रांस हिंडन जोन के डीसीपी निमिष पाटिल, इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने यूपीगेट का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस बल को किसी भी तरह की ढील नहीं बरतने की हिदायत दी। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने बैरिकेडिंग के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को जाना।

डीसीपी का कहना है कि किसानों का 26 फरवरी को ट्रैक्टर के साथ आने का आह्वान है। ऐसे में पुलिस हर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर किसानों पर नजर रख रही है।

संविदाकर्मी पेट्रोलमैन की करंट से मौत पर लाइनमैन निलंबित, तीन पर मुकदमा दर्ज

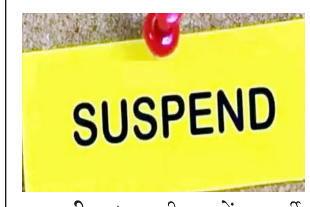

अलीगढ़। अलीगढ़ में क्वार्सी बिजलीघर से पोषित शताब्दी नगर में विद्युत लाइन पर काम करते संविदाकर्मी पेट्रोलमैन की करंट से मौत के मामले में टीजी-2 लाइनमैन को निलंबित कर दिया गया है। साथ में परिवार की तहरीर पर पुलिस ने हलका जेई, निलंबित टीजी-2 व एसएसओ आदि पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। विभागीय जांच अभी जारी है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

महुआखेड़ा के गांव गुरसिखरनपुर का जगदीश (34) क्वार्सी बिजली घर पर संविदा पर पेट्रोलमैन के पद पर कार्यरत था। 19 फरवरी दोपहर करीब ग्यारह बजे शताब्दीनगर में लाइनमैन टीजी-2 पूरन सिंह के साथ जगदीश फाल्ट सही करने गया। इसी दौरान शटडाउन के बाद भी करंट आने से जगदीश जख्मी हो गया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मामले में परिवार के आरोपों को ध्यान में रखते हुए एक्सईएन व एसडीओ को जांच सौंपी गई।

एक्सईएन राहुल बाबू कटियार के अनुसार मौके पर मौजूद टीजी-2 पूरन सिंह की प्रथम दृष्टया लापरवाही पाई गई है। उसी आधार पर पूरन सिंह को निलंबित किया गया है और रावणटीला सब स्टेशन से संबद्ध किया गया है। बाकी विभागीय जांच जारी है, जिसमें यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि शटडाउन के बावजूद लाइन में करंट कैसे आया। इधर, इस मामले में मृत कर्मचारी के भाई की तहरीर पर इलाका जेई, निलंबित कर्मचारी व एसएसओ पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमे की पुष्टि इंस्पेक्टर क्वार्सी ने की है।

नुमाइश में 21 फरवरी को कुमार विश्वास नाइट, साथ में होंगे कविता तिवारी और सुदीप भोला

अलीगढ़। कोई दीवाना कहता है कोई पागल समझता है.. गाने वाले कुमार विश्वास 21 फरवरी को अलीगढ़ के श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन करेंगे। कुमार विश्वास कोहिनूर मंच पर रात आठ बजे से अपने गीतों और कविताओं की महफिल सजाएंगे। उनके साथ ही कवियत्री कविता तिवारी वीर रस की कविताओं के माध्यम से श्रोताओं में जोश भरेंगी। हास्य कवि सुदीप भोला भी हास्य कविताओं व रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाएंगे। इनके अलावा अन्य कवि काव्यपाठ करेंगे।

कुमार विश्वास को सुनने के लिए श्रोताओं की दीवानगी का यह आलम है कि कार्यक्रम के पास पाने के लिए 20 फरवरी से ही मारामारी शुरू हो गई है। अधिकांश लोग कार्यक्रम के पास पाने के लिए जुगाड़ लगाते देखे गए। इससे कार्यक्रम में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ने का अनुमान है। नुमाइश प्रभारी एवं एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने बताया कि कार्यक्रम के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

किसानों ने ट्रैक्टर खड़े कर लगाया जाम, किया धरना- प्रदर्शन, डीएम के न आने पर गुस्साए किसान

अलीगढ़। सिंधु बॉर्डर पर किसानों पर लाठीचार्ज व फायरिंग की घटना के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) से जुड़े किसानों ने 21 फरवरी को कलेक्ट्रेट गेट के सामने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इसके बाद किसान सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। डीएम के ज्ञापन लेने नहीं आने से गुस्साए किसानों ने ट्रैक्टर आदि अवरोधक लगाकर सड़क जाम कर दी। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो वह पूरे जनपद को जाम कर देंगे। करीब दो घंटे तक

किसानों का प्रदर्शन चला। वहीं, जाम लगने से वाहन चालक परेशान रहे।

प्रदर्शन

भाकियू टिकैट गुट के जिलाध्यक्ष सुंदर सिंह बाल्यान ने कहा कि सरकार ने एमएसपी पर दिए गए आश्वासन को अब तक पूरा नहीं किया है। एमएसपी पर गारंटी सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर दिल्ली प्रदर्शन करने जा रहे पंजाब, हरियाणा के किसानों पर सरकार बल प्रयोग कर रही है। यह अनुचित है।

उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि सरकार एमएसपी पर गारंटी दे। किसानों का कर्ज माफ करने सहित अन्य मांगों को पूरा करे। वक्ताओं ने एलान किया कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो आंदोलन पूरे जिले में शुरू होगा। इस दौरान किसानों ने 15 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन एसीएम प्रथम विनीत मिश्रा को सौंपा।

योगेंद्र तोमर ने दिया राष्ट्रीय सचिव पद से इस्तीफा, पूर्व सांसद सलीम शेरवानी के हैं करीबी

अलीगढ़। स्वामी प्रसाद मौर्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम शेरवानी के पार्टी छोड़ने के बाद सपा को एक और बड़ा झटका लगा है। सपा के राष्ट्रीय सचिव योगेंद्र पाल सिंह तोमर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भेज दिया है। उन्हें 28 जून 2023 को सपा का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया था।

अलीगढ़ के लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित जापान हाउस के पार्क व्यू अपार्टमेंट निवासी योगेंद्र पाल सिंह तोमर को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 28 जून 2023 को पार्टी में राष्ट्रीय सचिव की

जिम्मेदारी दी थी। 21 फरवरी को योगेंद्र पाल सिंह तोमर ने राष्ट्रीय सचिव पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इसका पत्र सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेज दिया है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि कहा है कि अब तक की राजनीति पांच बार के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम शेरवानी के साथ ही की है। अब वह सपा से अलग हो गए, ऐसे में उनके लिए भी पार्टी के साथ रहने का कोई औचित्य नहीं हैं। पार्टी में अल्पसंख्यकों के साथ ही सामान्य और पिछड़े वर्ग की अनदेखी हो रही है।

बंदायू की गुन्नौर तहसील के मिठनपुर गांव के मूल निवासी योगेंद्र पाल सिंह तोमर पश्चिमी यूपी के प्रमुख रियल एस्टेट कारोबारी हैं। वह पिछले काफी समय से समाजवादी पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। 2014 में बंदायू लोकसभा क्षेत्र से धर्मेंद्र यादव को सांसद बनाने में उनकी अहम भूमिका बताई जाती है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन रद्द, 24 फरवरी को नुमाइश में होना था आयोजन

अलीगढ़। पदमभूषण कवि एवं गीतकार गोपालदास नीरज के शहर अलीगढ़ में इस बार अखिल भारतीय कवि सम्मेलन नहीं होगा। नुमाइश में इसका आयोजन 24 फरवरी को होना तय था, लेकिन अचानक इसको रद्द कर दिया गया। नुमाइश इंतजामिया ने इसकी सूचना 18 फरवरी की रात 11 बजे के करीब आमंत्रित कवियों के व्हाटसएप पर भेजी। सूचना मिलने के बाद कवि हैरान और आक्रोशित हैं, उन्हें इसका अंदाजा नहीं था कि अचानक कार्यक्रम रद्द कर दिया जाएगा।

इससे पहले वर्ष 2021 में भी कुमार विश्वास नाइट कराने के लिए कवि

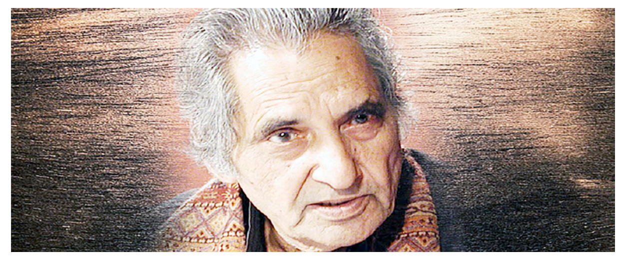

सम्मेलन निरस्त किया गया था। अलीगढ़ नुमाइश में होने वाले कवि सम्मेलन को नीरज जी के लिए भी जाना जाता रहा है।

उनके समय में कभी भी इसका आयोजन रद्द नहीं हुआ, हर बार कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वही करते थे। पूरा आयोजन उनके निर्देशन में ही होता था।

उस दौर में कुमार विश्वास एक आमंत्रित कवि के रूप में शामिल होते थे, लेकिन अब उनका कार्यक्रम करा कर नुमाइश इंतजामिया ने अखिल भारतीय कवि सम्मेलन रद्द कर दिया है।

सफाई कर्मचारियों ने गर्भवती महिला को लगाया इंजेक्शन हालत बिगड़ने पर महिला को बेड से बांधा

महिला जिला अस्पताल में गर्भवती महिला के परिजनों ने किया जोरदार हंगामा प्रदर्शन

बागपत। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत में महिला जिला अस्पताल में अमानवीय चेहरा सामने आया हैं। जहां एक प्रसूता के हाथों को उसकी ही चुन्नी से बेड से बांधा गया,इतना ही नही आरोप हैं कि अस्पताल में चिकित्सकों ने लापरवाही दिखाते हुए अपने अस्पताल के सफाई कर्मियों से ही महिला का इलाज कराना शुरू कर दिया।

जब सफाई कर्मचारियों ने गर्भवती महिला को इंजेक्शन लगवाया तो उसकी हालत बिगड़ गई। उसके बाद भी डॉक्टरों द्वारा महिला का उपचार नहीं

किया गया। बल्कि इलाज के लिए हायर सेंटर रैफर कर दिया गया । डॉक्टरों की लापरवाही के कारण बिगड़ी महिला की हालत के बाद परिजनों ने हंगामा

कर दिया। वही मामला बढता देख महिला को मेरठ मेडिकल रेफर किया गया हैं। उधर सीएमएस के मुताबिक महिला के इलाज में कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

और उलटे परिजनों पर बदसलुकी का आरोप लगाया हैं।दरअसल आपको बता दें कि पूरा मामला जिला अस्पताल में स्थित महिला अस्पताल का है, जहां बड़ौत क्षेत्र के खेड़ा हटाना निवासी एक गर्भवती महिला को उसके परिजनों ने महिला जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि महिला अस्पताल में तैनात चिकित्सक की लापरवाही के कारण उसकी हालत बिगड़ी है।

क्योंकि चिकित्सक ने अपने अस्पताल के ही सफाई कर्मचारियों से महिला का इलाज करना शुरू कर दिया था। जब सफाई कर्मचारियों ने गर्भवती महिला को इंजेक्शन लगाया तो उसकी अचानक हालत बिगड़ गई। हालांकि परिजन इस दौरान चिकित्सकों को इलाज करने की गुहार लगाते रहे लेकिन चिकित्सकों ने इलाज करने के स्थान पर उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। कैमरे में कैद हुई तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि किस तरह गर्भवती महिला को कपड़े से हाथ बांधकर इलाज किया जा रहा था। हालत बिगड़ने पर इलाज करने वाले सफाई कर्मचारी ही नौ दो ग्यारह हो गए, और परिजन हंगामा करते रहे। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया, और गर्भवती महिला को हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है।

सेहत/स्वास्थ्य

देर से नाश्ता करना आज ही बंद कर दें, एक्सपर्ट ने बताया जागने के 2 घंटे के भीतर खाने का महत्व

दिव्यांशी भदौरिया

जागने के दो घंटे के भीतर भोजन करना आपके पूरे स्वास्थ्य और कल्याण में सहायता कर सकता है। आपको नाश्ते को अपनी सुबह की दिनचर्या का एक हिस्सा बनाना चाहिए और इससे आपके शरीर और दिमाग को होने वाले असंख्य लाभों का लाभ मिलेगा। एक्सपर्ट से जानें सही समय पर नाश्ता करने का महत्व और मिलेंगे यह फायदे।

क्या आप उन लोगों में से हैं जो जल्दी में नाश्ता करना भूल जाते हैं या सुबह कुछ भी खाने से बचते हैं? या क्या आप वजन कम करने के लिए नाश्ता छोड़ देते हैं? यदि हां, तो स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से बचने के लिए आपको तुरंत ऐसा करने से बचना चाहिए।

आपको नाश्ते को अपनी सुबह की दिनचर्या का एक हिस्सा बनाना चाहिए और इससे आपके शरीर और दिमाग को होने वाले असंख्य लाभों का लाभ उठाना चाहिए। जागने के दो घंटे के भीतर नाश्ता करने से आपके चयापचय को तेज करने में मदद मिल सकती है और आपको बाकी दिन के लिए ऊर्जा मिल सकती है। एक्सपर्ट डॉ एकता सिंघवाल, एमएससी आहार विशेषज्ञ, उजाला सिग्नस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स से बात की, जिन्होंने समय पर नाश्ता करने के महत्व को समझाया।

2021 के सर्वेक्षण के अनुसार, जो लोग सप्ताह में सात बार नाश्ता करते हैं, उनमें हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और उच्च रक्तचाप जैसी स्वास्थ्य स्थितियां विकसित होने की संभावना कम होती है।

समय पर ब्रेकफास्ट करने के फायदे

मेटाबॉलिज्म को किकस्टार्ट करना

एक्सपर्ट के मुताबिक, सुबह जागने के दो घंटे के भीतर भोजन करने से आपका मेटाबॉलिज्म तेज हो जाता है, जो अनिवार्य रूप से आपके शरीर को पूरे दिन बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है। रात भर में, आपका शरीर व्रत की स्थिति में चला जाता है, और नाश्ता आवश्यक पोषक तत्वों को फिर से भरने का पहला अवसर के रूप में कार्य करता है। इसलिए, सुबह उपवास तोड़ना आपके शरीर को मेटाबॉलिज्म प्रक्रियाओं को तेज करने, कैलोरी जलाने में सहायता करने और वजन प्रबंधन को बढ़ावा देने का संकेत देता है।

स्थिर ब्लड शुगर लेवल

डॉ. सिंघवाल ने कहा, ‟आप जागने के बाद पहले कुछ घंटों के भीतर पौष्टिक नाश्ता करके अपने ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रख सकते हैं। रात भर उपवास करने के बाद, ब्लड शुगर का स्तर कम हो सकता है, जिससे थकान, चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस हो सकती है। काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और हेल्दी फैट युक्त संतुलित नाश्ता ब्लड प्रवाह में ग्लूकोज की निरंतर रिहाई प्रदान करता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल के स्तर में भारी उतार-चढ़ाव को रोका जा सकता है। ब्लड शुगर लेवल में यह स्थिरता ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करती है और पूरे दिन मनोदशा और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करती है।

स्वस्थ

नाश्ते के लिए टिप्स

अपने सुबह के भोजन का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, आपको काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और स्वस्थ वसा के संतुलित संयोजन का लक्ष्य रखना चाहिए। इसलिए, संपूर्ण खाद्य पदार्थों का चयन करें, जैसे ताजे फल और नट्स के साथ दलिया, ग्रेनोला और जामुन के साथ ग्रीक दही, या एवोकैडो और तले हुए अंडे के साथ साबुत अनाज टोस्ट। यदि आपके पास समय की कमी है, तो सुविधाजनक नाश्ते के विकल्प के लिए रात भर पहले ओट्स या स्मूदी तैयार करने का बेस्ट है।

कौशल के कार्य में वृद्धि

जागने के दो घंटे के भीतर नाश्ता करने से कौशल कार्य में वृद्धि होती है और मानसिक स्पष्टता में सुधार हो सकता है। नाश्ता महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करता है जो मस्तिष्क के स्वास्थ्य और कार्य का समर्थन करता है।

घरेलू नुस्खे

डिस्क्लेमर: इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

High Blood Pressure रोगियों के लिए रामबाण हैं 'चुकंदर', क्या आप भी इसका सवेन करते है?

दिव्यांशी भदौरिया

थकान और तनाव भरी लाइफ में बिमारियां काफी बढ़ती जा रही है। गलत खान-पान की वजह से सेहत का ख्याल रखना मुश्किल हो गया है। हाई ब्लड प्रेशर को शरीर में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का मुख्य कारण माना जाता है। इससे अधिक नुकसान ह्रदय की सेहत पर होता है। आइए आपको बताते हैं चुकंदर के फायदे।

आजकल हाई ब्लड प्रेशर की समास्या काफी देखने को मिल रही है। काम में व्यस्त व्यक्ति अपना ख्याल ढंग से नहीं रख पाता है। तनाव की वजह से कई सारी बिमारियां होने लगती है। हाई बलड प्रेशर को शरीर में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। इस वजह से सबसे ज्यादा नुकसान ह्रदय पर ही पड़ता है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट के मुताबिक, जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है उनमें हार्ट के अलवा आंखों, लिवर और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसे कंट्रोल में रखने के लिए सभी लोगों को विशेष रुप से ध्यान रखना चाहिए। स्वास्थ्य एक्सपर्ट कहते है कि, आहार और लाइफस्टाइल को अच्छा रखकर ब्लड प्रेशर रोगियों की समास्या काफी कम हो सकती है। लाल रंग के चुकंदर का सेवन करना भी आपके लिए काफी फायदेमंद है।

चुकंदर से कम होता है हाई ब्लड प्रेशर

अध्ययन में पता चला है कि अधिकतर लोगों ने दिन में एक गिलास चुकंदर का जूस पीकर रक्तचाप को काफी कम किया है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या दिल का दौरा, स्ट्रोक और लंबी ह्रदय विफलता जैसी खतरनाक स्वास्थ्य स्थितियों का खतरा बढ़ सकता है। हाई ब्लड प्रेशर से किडनी और लिवर से संबंधित रोगों का भी कारक माना जाता है।

चुकंदर इतना फायदेमंद क्यों है?

चुकंदर में डाइट्री नाइट्रेट (NO3) होता है जिसे जैविक रुप से एक्टिव नाइट्राइट (NO3) और नाइट्रिक ऑक्साइड (NO) परिवर्तित कर देता है। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं के आराम देने और उन्हें चौड़ा करके रक्त के संचार को ठीक बनाए रखने में मदद करता है।

स्वास्थ्य

एक्सपर्ट कहते है कि, आहार और लाइफस्टाइल को अच्छा रखकर ब्लड प्रेशर रोगियों की समास्या काफी कम हो सकती है। लाल रंग के चुकंदर का सेवन करना भी आपके लिए काफी फायदेमंद है।

चुकंदर के फायदे और सावधानियां

आहार के एक्सपर्ट कहते हैं, चुकंदर खाने से शरीर को काभी लाभ प्रदान होता है, जिन लोगों को लो ब्लड प्रेशर की समास्या रहती है उन्हें इसका सेवन नहीं करना चाहिए। ये ब्लड प्रेशर को और कम कर सकती है। आयरन की कमी दूर करने में, कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकने, लिवर में फैट का एकत्रित होने से रोकने में इसका सेवन करने में काफी लाभ होता है।

ब्यूटी/फैशन

फिश कट लहंगे के साथ इस तरह से स्टाइल करें दुपट्टा, बहुत काम आएंगे ये टिप्स

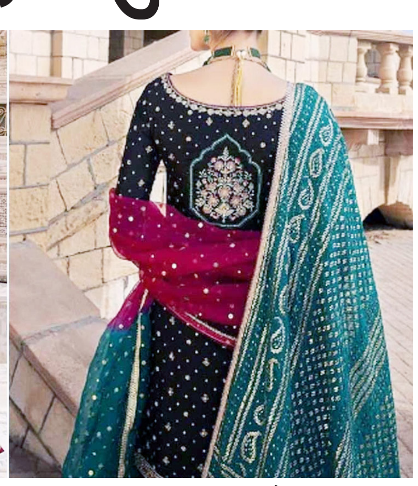

अनन्या मिश्रा

इन दिनों फिश कट लहंगा डिजाइन सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। जोकि देखने में भी काफी स्टाइलिश लगता है। वहीं अगर आप फिश कट लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करना चाहती हैं, तो आपको नीचे बताए गए हैक्स ट्राई करना चाहिए।

इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में शादी में हर कोई अपने लुक को खास बनाने के लिए डिजाइनर कपड़ों की शॉपिंग कर रहा है। कोई डिजाइनर साड़ी खरीद रहा है, तो कोई लेटेस्ट डिजाइन वाला लहंगा। बता दें कि इन दिनों फिश कट लहंगा डिजाइन सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। जोकि देखने में भी काफी स्टाइलिश लगता है और आप इसको बिना दुपट्टे के भी वियर कर सकती हैं। वहीं अगर आप फिश कट लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करना चाहती हैं, तो आपको नीचे बताए गए हैक्स ट्राई करना चाहिए। जिससे आप इस पर दुपट्टा भी वियर कर सकें और आपका लुक भी न खराब लगे।

कैप स्टाइल में ड्रेप करें दुपट्टा

फिश कट लहंगा में आप कैप स्टाइल में दुपट्टा ड्रेप कर सकती हैं। ऐसे दुपट्टा कैरी करने से आपको श्रग जैसा लुक मिलेगा।

फिर पीछे कंधे पर दुपट्टे को पिन की मदद से सेट कर लें।

आगे दिए गए कॉनर को हाथों के बीच में से निकालकर सेट कर लें।

आप फिश कट लहंगे के साथ इस तरीके से कैप स्टाइल दुपट्टा स्टाइल कर सकती हैं।

प्री ड्रेप साड़ी स्टाइल

फिश कट लहंगा पहनने से बॉडी का शेप अच्छा आता है। ऐसे में आप प्री ड्रेप साड़ी की तरीके से दुपट्टा स्टाइल करने इसको हाइलाइट करने का काम कर सकती हैं।

पल्लू में प्लीट्स बनाकर इसको पिन कर सकती हैं।

फिर इसको पीछे कमर में टक कर दें।

इसको खुला छोड़ने की जगह प्लीट्स बनाकर पिन कर लें, जिससे कि यह आपका लुक न बर्बाद करे।

फिश कट लहंगा पहनने से बॉडी का शेप अच्छा आता है। ऐसे में आप प्री ड्रेप साड़ी की तरीके से दुपट्टा स्टाइल करने इसको हाइलाइट करने का काम कर सकती हैं। पल्लू में प्लीट्स बनाकर इसको पिन कर सकती हैं।

इन टिप्स की मदद से आप दुपट्टे को ड्रेप कर सकती हैं।

इन बातों का रखें खास ख्याल

यदि दुपट्टा नेट का है, तो इसको अंदर से पिन करें, जिससे यह हाइलाइट न हो।

लहंगे के साथ ज्यादा हैवी दुपट्टा स्टाइल न करें वरना आपका पूरा लुक खराब हो सकता है।

इसके अलावा फ्री स्टाइल में दुपट्टा कैरी न करें।

फिटनेस मंत्रा

स्वास्थ्य के लिए रामबाण है हरा लहसुन, शरीर की कई समस्याओं से दिलाता है निजात

हरे लहसुन का सेवन करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। साथ ही, यह एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भी भरपूर होता है। इसके सेवन से आप बैक्टीरिया और वायरस की चपेट में आने से बच सकते हैं।

हरी सब्जियों के अपने फायदे होते हैं। प्रतिरोधक क्षमता से लेकर आंखों की रोशनी को तेज करने तक हरी सब्जियां बहुत लाभदायक होती है। हरी सब्जियों में प्रमुख रूप से मेथी, पालक, मूली, बथुआ और लोकी आदि शामिल है लेकिन हरे लहसुन के अपने अलग ही फायदे हैं। हरा लहसुन पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, विटामिन बी, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। हरा लहसुन हमारे शरीर की कई समस्याओं से निजात दिलाता है। हरे लहसुन में एलिसिन कंपाउंड पाया जाता है जो हमारे एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के ऑक्सीकरण को रोकता है। इसके खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। हरा लहसुन हमारी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ता है। आइए जानते हैं हरा लहसुन खाने के फायदे-

हरा लहसुन खाने के फायदे

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए

हरे लहसुन का सेवन करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। साथ ही, यह एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भी भरपूर होता है। इसके सेवन से आप बैक्टीरिया और वायरस की चपेट में आने से बच सकते हैं।

ब्लड शुगर को भी रखता है नियंत्रित

मधुमेह की समस्या से पीड़ित हैं वो यदि हरे लहसुन को अपने आहार में शामिल करते हैं तो यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मददगार साबित होता है। इसके नियमित सेवन से काफी हद तक मधुमेह की बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है।

हार्ट को रखता है हेल्दी

हरे लहसुन का सेवन दिल के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। हरे लहसुन में मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। हरा लहसुन खाने से हार्ट अटैक का जोखिम कम होता है।

पाचन को बेहतर बनाने में कारगर

जाड़े के मौसम में हरे लहसुन का सेवन पाचन से जुड़ी दिक्कतों को दूर करने में मदद करता है। हरा लहसुन एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल जैसे गुणों से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। हरा लहसुन खाने से पेट के कीड़ों से भी मुक्ति मिलती है और कब्ज की समस्या से छुटकारा मिलता है। हरा लहसुन गैस्ट्रो-इन्टेस्टाइनल माइक्रोब संक्रमणों के इलाज में भी बहुत बढ़िया है। पेट के खराब बैक्टीरिया को नष्ट करता है और आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बचाता है।

आयरन का अच्छा स्त्रोत

हरा लहसुन में आयरन प्रचुर मात्रा में होता है। हरे लहसुन में भरपूर मात्रा में प्रोटीन फेरोपोर्टिन होता है जो कोशिका के अंदर से सेल के बाहर संग्रहीत आयरन तत्वों को पहुंचाता है। शरीर के भीतर हाई आयरन का स्तर रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी को पूरा करने में मदद करता है।

हरा लहसुन सेहत के लिए लाभकारी होता है। ध्यान रखें कि इसका अधिक सेवन करने से आपको नुकसान हो सकता है। इससे आपको पेट में जलन और अल्सर की समस्या हो सकती है। डॉक्टर की सलाह पर सेवन की मात्रा तय करें।

पर्यटन स्थल

सिर्फ 1 दिन की छुट्टी लेकर घूमें 4 दिन के लिए, इस तरह से बनाएं प्लान

महाशिवरात्रि आने ही वाली है महाकाल के भक्त, अगर कहीं जाने की सोच रहे हैं तो आप इन जगहों पर जाने का प्लान बना सकते हो। यह देश की सबसे खूबसूरत धर्मिक स्थल। महाशिवरात्रि के अवसर पर 7 मार्च से लेकर 10 मार्च तक धूमने का मजा लें सकते हैं। इसके लिए आपको बस 7 और 11 मार्च की छुट्टी लेनी पडेगी।

आमतौर पर होता है जब आप कहीं घूमने का प्लान बनाते हो, तो लंबी छुट्टी का इंतजार करते हो। लेकिन समय नहीं मिलने पर बना हुआ प्लान भी कैंसिल हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप महाशिवरात्रि के मौके पर घूमने का मजा ले सकते हैं। अगर आप महाशिवरात्रि के अवसर पर 7 मार्च से लेकर 10 मार्च तक धूमने का मजा लें सकते हैं। इसके लिए आपको बस 7 और 11 मार्च की छुट्टी लेनी पडेगी।

महाशिवरात्रि में लॉन्ग वीकेंड पड़ने वाला है

- 7 मार्च -(गुरुवार को ऑफिस से छुट्टी ले सकते हैं)
-8 मार्च - (महाशिवरात्रि की छुट्टी)
-9 मार्च- (शानिवार की छुट्टी)
-10 मार्च- (रविवार की छुट्टी)
-11 मार्च- (सोमवार को ऑफिस से छुट्टी ले सकते हैं)

इस तरह से आप 7 से 11 मार्च में से किसी एक दिन छुट्टी लेकर आराम से 4 दिन घूम सकते हैं।

महाशिवरात्रि के मौके पर इन जगहों पर घूमने जाए

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि पर्व काफी महत्व है। इस दिन भोले नाथ की शादी माता पार्वती से हुई हैं। महाशिवरात्रि के मौके पर दक्षिण से लेकर पूर्व और उत्तर से लेकर पश्चिम में भारत में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। 8 मार्च को पूरे देश में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर आप इन जगहों पर घूम सकते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन, मध्य प्रदेश

यह मुख्य रूप से उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में मनाया जाता है। विश्व प्रसिद्ध 12 ज्योर्तिलिंगों में यह भी शामिल है। इस पर्व को क्षिप्रा नदी के तट पर मनाया जाता है। महाकाल मंदिर से जुड़ी एक प्रचलित लोककथा के अनुसार, दुशाण नामक एक राक्षस ने अवंती के निवासियों पर अत्याचार किया था। तब भगवान शिव जमीन से प्रकट हुए और राक्षस को हराया। फिर, अवंती के लोगों की इच्छा के अनुसार, शिव ने यहां महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थायी निवास बनाया। महाशिवरात्रि के मौके पर यहां दर्शन करने जा सकते हैं।

नीलकंठ महादेव मंदिर, हरिद्वार, उत्तराखंड

महाशिवरात्रि के दौरान कई भक्तों द्वारा दर्शन किए जाते है, यह स्थान अपने घाटों के लिए जाना जाता है। इस खूबसूरत शहर में ऐसे कई फेमस शिव मंदिर हैं, जिनका आप दर्शन कर सकते हैं। भगवान शिव के दर्शन करने के बाद आप ऋषिकेश में एडवेंचर एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। इसके साथ ही पहाड़ो का सुकुन लें सकते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर भारत का सबसे लोकप्रिय मंदिर हैं। जो भारत में स्थापित 12 ज्योतिर्लिगों में से एक है। काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने के बाद, नाव का मजा ले सकते है। इसके साथ ही गंगा आरती में भी शामिल हो सकते हैं।

भूतनाथ मंदिर, मंडी, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश का एक छोटे से शहर मंडी में, महाशिवरात्रि मनाने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। मंडी का भूतनाथ मंदिर इस उत्सव की मेजबानी करता है। लोक कथा के अनुसार, लगभग 5 शताब्दी पहले, मंडी के शाही परिवार ने एक सप्ताह तक चलने वाले महाशिवरात्रि मेले के आयोजन की परंपरा शुरू की थी।

सम्पादकीय

मेयर पर सुप्रीम फैसला

देश में सर्वोच्च अदालत और उसके जरिए न्यायपालिका जब तक जिंदा हैं, तब तक इंसाफ जरूर मिलेगा। चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव पर सर्वोच्च न्यायिक पीठ ने जो न्याय किया है, वह ऐतिहासिक और क्रांतिकारी है। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च अदालत ने, चुनाव जैसे मुद्दे पर, जिस विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया है, वह अभूतपूर्व है। यह ऐसा फैसला है, जिसे कोई चुनौती नहीं दे सकता। न्यायपालिका ने लोकतंत्र और उसमें निहित जन-शक्ति को बचाकर मिसाल कायम की है।

वोट की लूट नहीं मचाई जा सकती और न ही चुनाव प्रक्रिया में धांधलियां कामयाब हो सकती हैं। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले के जरिए यह संदेश पूरे देश को दिया है।

मेयर चुनाव के पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह को कदाचार का दोषी भी करार दिया गया है। अब उनके खिलाफ मुकदमा चलेगा और 3 से 7 साल तक की सजा भी दी जा सकती है।

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों ने पहली बार अदालत में ही किसी चुनाव के वोट जांचे और नतीजा घोषित किया। न्यायाधीशों ने कहा कि चुनावी लोकतंत्र की प्रक्रिया को धोखाधड़ी से नाकाम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जहां असाधारण स्थितियां बनती हैं, वहां अदालत को दखल देना पड़ता है, ताकि बुनियादी जनादेश को संरक्षित किया जा सके। अनुच्छेद 142 के तहत अदालत का यह पहला सुप्रीम फैसला है।

इससे पहले भोपाल गैस त्रासदी कांड के पीड़ितों को राहत पहुंचाने और उन्हें मुआवजा दिलाने, राजीव गांधी के हत्यारे पेरारिवलन को जेल में 30 लंबे साल की सजा काटने के बाद रिहाई दिलाने और अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि के संदर्भ में अनुच्छेद 142 के तहत फैसले सुनाए गए थे।

बेशक चंडीगढ़ मेयर चुनाव का मुद्दा अपेक्षाकृत छोटा है, लेकिन इसके प्रभाव व्यापक होंगे, क्योंकि यह आम चुनाव के कुछ दिन पहले ही सामने आया है और अदालत ने 19 दिनों में हस्तक्षेप कर फैसला सुनाया है। अब भाजपा की चुनावी साजिशों और मंसूबों पर लगातार सवाल उठाए जाएंगे। न्यायिक पीठ ने 30 जनवरी को घोषित मेयर का चुनाव खारिज कर दिया और अवैध मतपत्रों को वैध करार दिया और उन्हीं के आधार पर आम आदमी पार्टी (आप) एवं कांग्रेस के साझा प्रत्याशी कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ का मेयर घोषित कर दिया। भाजपा के रणनीतिकार, पैरोकार दलीलें देते रहे कि चुनाव दोबारा कराया जाए।

चूंकि भाजपा ने आप के तीन पार्षदों को तोड़ कर बहुमत का जुगाड़ कर लिया था, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन दलीलों को खंडित कर कइयों को बेनकाब किया है।

अकेला पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह इतनी बड़ी धांधली का मसीहा नहीं हो सकता, जाहिर है कि इस साजिश में बड़ी मछलियां भी संलिप्त होंगी। अदालत के फैसले में उन्हें पदार्फाश नहीं किया जा सका, लेकिन मसीह पर जो मुकदमा चलेगा, संभवतः उसके दौरान साजिशकार बेनकाब हों!

आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने इस सीमित धांधली को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य दे दिया है कि जो मेयर के चुनाव में धोखाधड़ी कर सकते हैं, वे लोकसभा चुनाव में कितनी व्यापक धांधली कर सकेंगे, यह सोचकर ही रूह कांपने लगती है।

राजनीतिक कुंडली में बेरोजगार

अंततः हिमाचल का विधानसभा सदन खामोशी से सुन रहा बेरोजारों की वकालत। सरहद पर खड़ा बेरोजगार और विपक्ष की वकालत का सहारा, उसे हमेशा की तरह फिर किंकर्तव्यविमूढ़ बन रहा। मंगलवार की बहस में नौकरी का सरकारी रुतबा आसमान पर सितारे गिनता रहा। कहीं आउटसोर्स चीख रहा, कहीं साल में एक लाख नौकरी का टोटका बोलता रहा। इस दौरान बच्चों ने रोजगार कार्यालय का चेहरा देखना छोड़ दिया, लेकिन पंजीकृत 742845 बेरोजगारों के लिए सरकार ही ख्वाजा पीर की अरदास है या किसी मंदिर की पूजा में की गई मन्नत। कितने दोराहे-कितने चौराहे हैं पढ़े लिखे बेरोजगारों के लिए, लेकिन नौकरी का शब्द सरकारी शब्दकोष की तरह अपने अर्थ में मुगालते भर रहा है। अब गिनती का रोजगार गिनती कब तक करे, लेकिन पांच साल में पांच लाख बेरोजगार अगर किस्मत के धनी हो गए, तो रोजगार कार्यालय भी अपने आंकड़ों का उद्धार कर लेगा। हमने देखा कि एक बार तत्कालीन धूमल सरकार ने सरकारी नौकरी की चारपाई पर युवाओं को 45 साल की उम्र तक सपने देखने के लिए सुला दिया। इसका कितना व किसको लाभ हुआ, लेकिन रोजगार की कचहरी में याचक बढ़ गए। बेरोजगार अब सरकार के सामने याचक और विपक्ष उनका वकील।

इसलिए इस बार भाजपा की कुंडली में बेरोजगारी का मुद्दा है, तो तकरार के बाजुओं में दम है, वरना हिमाचल में वही चंद बीघा जमीन जोत कर नौकरियों की मुंडियां उगाई जाती हैं।

कॉडर से बहस करता एक नया कॉडर, अप्रत्यक्ष नियुक्तियों से बात करता एक नया उपनाम और विसंगतियों की चिल्लपों में वर्षों से संघर्षरत कोई न कोई कर्मचारी वर्ग। इसका एहसास, उसका हिस्सा और सियासी हिस्सेदारी में रेवडियां ढूंढते हमने सरकारी नौकरी की चयन प्रक्रिया को इतना लचर बना दिया कि अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग के परीक्षा पत्र ढाबों में बिकने लगे। फर्जी दस्तावेज से कभी डाक सेवक बनने की उमंग, तो कभी सचिवालय तक कदम पहुंच जाते हैं।

पूरी की पूरी पुलिस भर्ती विभाग के अभिशप्त अध्याय लिख गई, लेकिन राज्य के पास दंड देने की शक्ति नहीं। दंड मिलता है उस सपने को जो पढ़े-लिखे नौजवान को सोने नहीं देता। हर पेपर लीक या रोजगार की जालसाजी में कितने अरमान मरते हैं, इसकी कभी जांच पूरी नहीं होती। दरअसल रोजगार है क्या, इसे समझे बिना सरकारों ने अपनी मुट्ठी में आई सरकारी नौकरियों का ही गुणगान किया, जबकि हिमाचल का निजी क्षेत्र लगातार बढ़ाता रहा अवसर। अब हम निजी निवेश को पुकार रहे हैं, लेकिन क्या हमारा बेरोजगार युवा निजी रोजगार को पुकार रहा है। बीबीएन में पैदा हुए रोजगार के लिए हमने शर्तें भले ही सत्तर फीसदी हिमाचलियों के पक्ष में ईजाद कीं, लेकिन हमारे बेरोजगार युवाओं ने अपने हिस्से का अधिकांश रोजगार ठुकरा दिया। यह इसलिए कि हमने उसे घर द्वार पर ऐसी शिक्षा दी जो उसे कर्मठ नहीं, सरकारी नौकरी की बैसाखी पर चलना सिखाती है।

वह आउटसोर्स होकर भी इसी बैसाखी पर चलता है, तो किसी तरह की अस्थायी कांट्रैक्ट पर भी प्रसन्न है और राजनीति उसे प्रेरित करती है।

अगर कोविड काल में कुछ लोग आउटसोर्स से काम पर लगाए तो उनका हक योग्यता या चयन परीक्षा से ऊपर क्यों हो जाता है। अगर एसएमसी का जरिया सामने आया, तो यही सरकारी नौकरी का नजरिया क्यों। जेओए आईटी परीक्षा अगर कलंकित है, तो इसकी तरफदारी क्यों।

स्वामी, मुद्रक एवम प्रकाशक संगीता सिंह ने मैसर्स एजीएस पब्लिकेशन एफ - 23 सेक्टर 6 नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर एस -5 / 4/176 एल जी एफ सेक्टर 4 वैशाली साहिबाबाद जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201010 से प्रकाशित किया

प्रबंध संपादक : शैलेश कुमार सिंह।

संपादक : अभिमन्यु सिंह

RNI NO UPHIN/2012/46248

Mob : **9818189921**

Whatsapp : **9818189921**

Email : **Abhivartasamchar@gmail.com**

अखिलेश झुके अब केजरीवाल की बारी

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा की दबाव की रणनीति कामयाब रही। सपा-कांग्रेस में सीट शेयरिंग हो गई है। इसकी वजह यह रही कि भारतीय जनता पार्टी ने जातीय समीकरणों की जोरदार नाकेबंदी की है।

भाजपा की नाकेबंदी के कारण सपा और कांग्रेस को मजबूरी में एक दूसरे की शर्तें माननी पड़ी है। उत्तर प्रदेश की तरह पंजाब और दिल्ली में भी भाजपा की चुनावी रणनीति को देखते हुए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में नए सिरे से बातचीत शुरू हो गई है। चंडीगढ़ मेयर के चुनाव ने दोनों पार्टियों को फिर से बातचीत के लिए मजबूर किया है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पूरब में अनुप्रिया पटेल के अपना दल, संजय निषाद की निषाद पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से गठबंधन किया है, तो पश्चिम में जयंत चौधरी के रालोद को अपने साथ ले लिया है। विधानसभा चुनावों में ओम प्रकाश राजभर, जयंत चौधरी, स्वामी प्रसाद मौर्य, पल्लवी पटेल और दलित नेता कमलकांत गौतम समाजवादी पार्टी के साथ थे। जातियों के समीकरण के कारण सपा की सीटें 47 से बढ़कर 111 हो गई थी।

गैर यादव पिछड़ी जातियों और दलितों में आधार वाले ये सभी नेता अब समाजवादी पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। राजभर और जयंत चौधरी भाजपा के साथ आ चुके हैं, स्वामी प्रसाद मौर्य और कमलकांत गौतम सपा का साथ छोड़कर अपनी पार्टी अलग बना रहे हैं। इन चुनावों में समाजवादी पार्टी का एमवाई गठबंधन भी खतरे में है, क्योंकि मुसलमानों का रूख भी कांग्रेस की तरफ है, इसलिए कोई गुंजाईश ही नहीं थी कि सपा अकेले चुनाव लड़ती।

पिछले कई दिनों से ये जो खबरें आ रही थीं कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत टूट गई है, वह पूरी तरह निराधार थी। सामने वाले पर दबाव बनाने के लिए राजनीति में कई बार इस तरह की खबरें राजनीतिक दल खुद चलवाते हैं।

समाजवादी पार्टी इन खबरों से कांग्रेस पर दबाव बना रही थी। खबरों को सच्चा साबित करने के लिए उन्होंने सपा के उम्मीदवारों का एलान भी करना शुरू कर दिया था। सोलह, ग्यारह और पांच उम्मीदवारों की तीन सूचियों में उन्होंने 32 उम्मीदवारों का एलान भी कर दिया। इनमें से कुछ सीटें वे थीं, जिन पर कांग्रेस दावा ठोक रही थी।

कांग्रेस अखिलेश यादव की दबाव की रणनीति के साथ साथ उनकी मजबूरी को भी समझती थी, इसलिए वह भी टस से मस नहीं हुई। इसी कारण अखिलेश यादव खुद झुकते चले गए। कहां पहले उन्होंने 11 सीटों की पेशकश करते हुए कहा था कि इससे ज्यादा सीटें नहीं दे सकते, फिर 15 सीटों पर आए, और आखिर में संख्या बढ़ा कर 17 कर दी।

अखिलेश यादव के राहुल की यात्रा में शामिल न होने के बयान ने दवाब का जोरदार काम किया। कांग्रेस 21 सीटों की मांग से नीचे आ गई है। सत्रह या अठारह सीटों पर समझौता हो जाएगा। अखिलेश यादव ने खुद ही कह दिया है कि अंत भला तो सब भला। अब राहुल गांधी की उत्तर प्रदेश में चल रही यात्रा में अखिलेश यादव का शामिल होना भी लगभग तय है।

इस बीच अंदरखाते बसपा से बातचीत चल रही थी कि वह भी गठबंधन में शामिल हो जाएं। लेकिन मायावती अड़ी हुई हैं, जिस कारण बसपा के लगभग सारे सांसद इधर उधर बिखर रहे हैं। कुछ सांसद कांग्रेस में जा रहे हैं, कुछ सपा में जा रहे हैं, तो कुछ भाजपा में जा रहे हैं। विधानसभा में सिर्फ एक सीट जीतने के बाद से बसपा बिखराव के मुहाने पर है।

अखिलेश यादव की तरह ही अरविन्द केजरीवाल भी कांग्रेस के साथ दबाव की राजनीति खेल रहे हैं। आम आदमी पार्टी की न तो दिल्ली में बातचीत टूटी है, न पंजाब में। जबकि केजरीवाल और भगवंत मान, दोनों ही सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि आम आदमी पार्टी अकेले ही चुनाव लड़ेगी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को एक सीट देने की पेशकश की है, जबकि कांग्रेस अभी भी चार पर अड़ी हुई है। अंदरुनी खबर यह है कि एक-दो दिनों में ही केजरीवाल तीन सीटों की पेशकश करने जा रहे हैं। चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव पर सुप्रीमकोर्ट के फैसले से पंजाब में भी केजरीवाल के अड़ियल रूख में बदलाव आया है।

सुप्रीमकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को जीता हुआ घोषित कर दिया। मेयर पद के चुनाव के लिए समर्थन मांगने केजरीवाल खुद राहुल गांधी के पास गए थे। यह फैसला हो गया था कि मेयर आम आदमी पार्टी का होगा, और डिप्टी मेयर कांग्रेस का होगा।

चंडीगढ़ कॉरपोरेशन में 13 काउंसलर आम आदमी पार्टी के हैं, और 7 कांग्रेस के। दोनों पार्टियों के मिलकर 20 काउंसलर हो गए थे। दूसरी तरफ भाजपा के 14 और अकाली दल का एक काउंसलर है। एक वोट सांसद का होता है, तो भाजपा की सांसद किरन खेर का एक वोट है। लेकिन चुनाव में धांधली करके भाजपा ने मेयर का पद जीत लिया। मामला कोर्ट में पहुंचा और कोर्ट ने रद्द किए गए 8 वोट बहाल कर के आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को जीता हुआ घोषित कर दिया।

अब यह अलग विषय है कि चुनाव में हेराफेरी की साजिश की रणनीति किस स्तर पर बनी थी। चंडीगढ़ स्तर पर बनी थी, या राष्ट्रीय स्तर पर। कुछ भी हो, भाजपा की बदनामी तो हुई ही है। राहुल गांधी ने कहा है कि हेराफेरी करने वाला रिटर्निंग आफिसर तो सिर्फ मोहरा था, हेराफेरी के पीछे मोदी का हाथ था।

वढ में क्ठउक्र्अ ब्लॉक की सीटों का बंटवाराः 17 सीटों पर कांग्रेस तो 63 सीटों पर सपा और अन्य दलवढ में क्ठउक्र्अ ब्लॉक की सीटों का बंटवाराः 17 सीटों पर कांग्रेस तो 63 सीटों पर सपा और अन्य दल

यह अलग विषय है कि आम आदमी पार्टी का मेयर कितने दिन रहेगा, क्योंकि आम आदमी पार्टी के तीन काउंसलर दलबदल करके भाजपा में जा चुके है।

आम आदमी पार्टी के मेयर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला कर भाजपा उन्हें कभी भी हटा सकती है।

खैर चंडीगढ़ के मेयर की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन सुप्रीमकोर्ट के फैसले ने पंजाब और चंडीगढ़ में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में गठबंधन की नई संभावनाए पैदा की हैं। केजरीवाल और राहुल गांधी के बयान गौर करने लायक हैं।

केजरीवाल ने कहा है कि चंडीगढ़ के चुनाव ने साबित किया है कि मिलकर चुनाव लड़ें, तो भाजपा को हराया जा सकता है। उनकी यही बात पंजाब की तेरह और चंडीगढ़ लोकसभा सीट पर नए सिरे से बातचीत की संभावनाएं खोलती हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी से गठबंधन के खिलाफ कांग्रेस में टूट की आशंका भी बढ़ गई है।

पंजाब में कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल में भी बहुत कुछ चल रहा है। अकाली दल और भाजपा की बातचीत इस बात पर टूटी है कि भाजपा 13 में से सात सीटें मांग रही थी, जबकि अकाली दल पहले की तरह सिर्फ तीन सीटें गुरदासपुर, होशियारपुर और अमृतसर की ही पेशकश कर रही थी। भाजपा का तर्क है कि विधानसभा चुनावों के बाद उसकी ताकत बढ़ी है। कांग्रेस के दो बड़े नेता अमरिंदर सिंह और सुनील जाखड़ भाजपा में आए हैं, अकाली दल के भी कई नेता भाजपा में आए है, नवजोत सिंह सिद्धू और मनीष तिवारी भी भाजपा में आ सकते हैं।

अगर नवजोत सिंह सिद्धू और मनीष तिवारी भाजपा में आ जाते हैं, तो भाजपा अकाली दल में भी दुबारा बातचीत शुरू हो जाएगी। उधर युवराज सिंह के भी भाजपा में शामिल होने और गुरदासपुर से उम्मीदवार बनने की अटकलें हैं। वैसे गुरदासपुर के लिए भाजपा के पास सुनील जाखड़ सशक्त उम्मीदवार हैं, वह पहले भी वहां से सांसद रह चुके हैं।

भाजपा अमृतसर, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालन्धर, लुधियाना, आनंदपुर साहिब और पटियाला में चुनाव लड़ने का इरादा रखती है।

जरूरी है मातृभाषाओं का जिंदा रहना

उदारीकरण के दौर में जब अंग्रेजी अपनी चमक बिखेर रही है, ऐसे में सवाल उठ सकता है कि मातृभाषाओं की जरूरत क्या है? चूंकि वैश्वीकरण की भाषा के रूप में अंग्रेजी अघोषित तौर पर प्रतिनिधित्व हासिल कर चुकी है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर इस सवाल का उठना स्वाभाविक है।

दुनियाभर के समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञानी मानते हैं कि शिक्षा हासिल करते वक्त बच्चा अपनी मातृभाषा में सबसे ज्यादा सहज रहता है। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं का रिश्ता व्यक्ति के दिल से ज्यादा रहता है। दिल और दिमाग हमारे शरीर के लिए दोनों ही जरूरी हैं। लेकिन दिमाग के जरिए जो कुछ ग्रहण होता है, वह तार्किकता से पूर्ण होता है।

तार्किकता मनुष्य के नजरिए को वैज्ञानिक तो बनाती है, लेकिन वह कई बार मर्म को छू नहीं पाती। वहीं दिल से स्नेह और प्यार का रिश्ता है। स्नेह और प्यार के रिश्ते के ही चलते दिल वाली बातें मर्म को ना सिर्फ छू लेती हैं, बल्कि दिमाग को भी अरसे तक मथती रहती है।

मातृभाषा को इसी संदर्भ में समझें तो वह दिमाग नहीं, दिल की भाषा है। हर शख्स की प्राथमिक भाषा, उसकी मातृभाषा होती है। मातृभाषा को सीखना बेहद सहज होता है, क्योंकि वह स्नेह और प्यार की भाषा होती है। मां के दूध में जिस तरह पौष्टिकता के साथ ही स्नेह होता है, मातृभाषाएं भी मनुष्य के लिए स्नेह और पौष्टिकता- दोनों को सहज ही उपलब्ध करा देती हैं। जबकि सायासिक ढंग से सीखी गई दूसरी भाषाएं ज्यादातर दिमाग की भाषा होती हैं। दूसरी भाषाएं तार्किकता की भाषा होती हैं। इसलिए उनके साथ मनुष्य का स्नेह और प्यार का संबंध उस तरह नहीं जुड़ पाता, जैसे मातृभाषा से जुड़ता है।

नेल्सन मंडेला के शब्दों में मातृभाषा और दूसरी भाषा के अंतर को हम ठीक से समझ सकते हैं। मंडेला कहते हैं कि अगर किसी शख्स से आप उस भाषा में बात करते हैं, जो उसकी दूसरी भाषा है, जिसे वह समझ सकता है तो वह भाषा उसके मस्तिष्क में जाती है। लेकिन अगर आप उसकी मातृभाषा में बात करते हैं तो वह सीधे उसके दिल तक पहुंच जाती है। यह दिल का रिश्ता ही है कि जब एक भाषा क्षेत्र के वासी जब मिलते हैं तो वे अपनी मातृभाषा में बात करने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। मातृभाषा चूंकि उनके दिल की भाषा होती है, इसलिए एक तरह से उसके जरिए वे एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

आज की दुनिया ने लोकतंत्र को शासन की बेहतर प्रणाली मान लिया है। समाजशास्त्री भी मानते हैं कि समाज के मानवीय रूप के विकास के लिए उसका लोकतांत्रिक होना जरूरी है। उदारीकरण और वैश्वीकरण की व्यवस्था इसी लोकतांत्रिक समाज में उपजी है। अव्वल तो उदारीकरण और वैश्वीकरण की धारा को भी भाषाओं के संदर्भ में लोकतांत्रिक होना चाहिए था। लेकिन दुर्भाग्य है कि उदारीकरण कम से कम भाषाओं के लिहाज से लोकतांत्रिक नहीं हो पाया है। उसकी प्रतिनिधि भाषा अंग्रेजी है। अगर उसने किसी अन्य भाषा को इस दिशा में कुछ छूट दी है तो वह फ्रेंच, स्विस या यूरोप की कुछ ताकतवर समुदायों की भाषाएं ही हैं।

लेकिन इनमें भी अंग्रेजी का ही वर्चस्व है। कुछ लोग सवाल उठा सकते हैं कि बाजार की बढ़ती ताकत के साथ अंग्रेजी के साथ ही स्थानीय भाषाओं को उदारीकरण बढ़ावा दे रहा है। इस लिहाज से तो उदारीकरण की भी सोच लोकतांत्रिक कही जा सकती है। लेकिन यह आधी सच्चाई है। अगर उदारीकरण स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दे रहा है, तो वह दरअसल भाषाओं का लोकतांत्रिकरण नहीं कर रहा है, बल्कि उनके जरिए अपना ही विस्तार कर रहा है।

इसका यह मतलब नहीं है कि मातृभाषाओं की जरूरत ऐसी ही रहेगी। मातृभाषाएं इसलिए जरूरी हैं, कि मनुष्य सहज बना रहे। मातृभाषाओं की जरूरत शिक्षा के लिए ज्यादा जरूरी है। यह वैज्ञानिक रूप से साबित हो चुका है कि मातृभाषा में सहज शिक्षा हासिल कर चुका विद्यार्थी दूसरी भाषाओं को कहीं अधिक प्रवीणता से सीख पाता है।

मातृभाषाओं की जरूरत इसलिए भी है कि मानव समाज की विरासत और धरोहर को उन्होंने ही सहेज रखा है। धरोहरों के भाव और संदेश को किसी अन्य भाषा में अनूदित नहीं किया जा सकता। वह अनुवाद दिमागी ही होगा, उसका दिल के मर्म का संबंध नहीं होगा।

मातृभाषाओं की जरूरत इसलिए भी है कि वे अभिव्यक्ति की दुनिया को लोकतांत्रिक बनाती हैं, भावों को सहज संप्रेष्य बनाती हैं। इस तरह से वे मानवता की सेवा करती हैं।

लोकतंत्र में नागरिकों की सहज भागीदारी, समावेशी शिक्षा, सामाजिक और प्राकृतिक विविधता के साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे ज्यादा जरूरी मातृभाषाएं ही हैं। इसलिए भी मातृभाषाओं का जिंदा रहना जरूरी है। इस तथ्य को भारत सरकार ने समझा है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के जरिए जहां प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है, वहीं देश की भाषाओं के आंकड़े और बुनियादी उच्चारण आदि का संग्रह भी किया जा रहा है।

देश में 1652 भाषाएं हैं और वे अपने-अपने समाजों की मातृभाषा भी हैं। गृह मंत्रालय समय-समय पर इनका सर्वेक्षण भी कराता रहता है। पिछले साल नवंबर तक मंत्रालय ने देश की 576 भाषाओं और बोलियों का मातृभाषा सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था, जिन्हे संरक्षित करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र में एक वेब संग्रह तैयार किया जा रहा है।

गृह मंत्रालय के अनुसार इस संग्रह में तमाम भाषाओं को रखा जाएगा। इसके तहत 576 मातृभाषाओं की 'फील्ड वीडियोग्राफी' भी कराई गई है। इस परियोजना में मातृभाषाओं का 'स्पीच डाटा' भी संग्रहित किया जा रहा है। जिसे बाद में वेबसाइट पर प्रदर्शित भी किया जाएगा।

धर्मम शरण गच्छामि, अर्थ शरणम गच्छामि

चाणक्य नीति में कहा गया है कि 'सुखस्य मूलं धर्मः। धर्मस्य मूलं अर्थः। अर्थस्य मूलं राज्यं।' अर्थात सुख का मूल धर्म है। धर्म का मूल अर्थ है और अर्थ का मूल राज्य है। उत्तर प्रदेश में चाणक्य की यह नीति पूरी तरह से चरितार्थ होती दिख रही है।

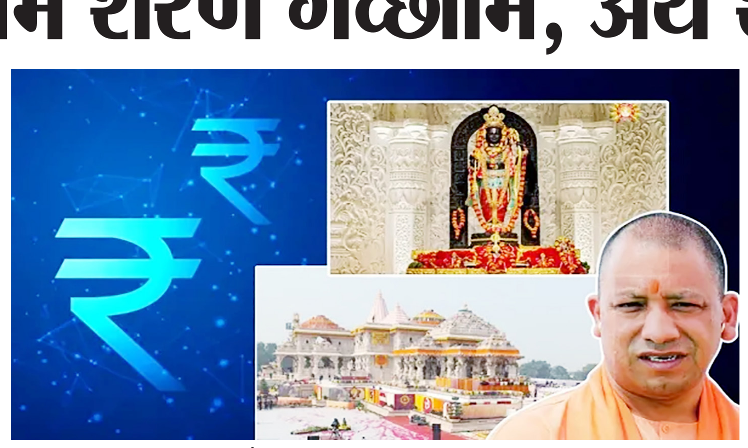

2017 में जब से राज्य में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी है तब से सुख के मूल धर्म को ही प्रमुखता से स्थापित करने का प्रयास ही नहीं हो रहा बल्कि धर्म के मूल अर्थ को भी प्राप्त करने का प्रयास हो रहा है। 19 फरवरी को उत्तर प्रदेश ने एकसाथ 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का भूमि पूजन करके अपनी 'बीमारू राज्य' और 'काऊ बेल्ट' वाली छवि को सफलता से बदलने का प्रयास किया है।

आश्चर्य की बात तो यह है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेसियों, समाजवादियों और बहुजनवादियों के शासन में जिस धर्म को राज्य से दूर रखा गया, वही धर्म अब उत्तर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का वाहक बन गया है। केन्द्र में 2014 में नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने और उसके बाद राज्य में 2017 में योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद धर्म से दूरी के बजाय धर्म से नजदीकी दिखाने की कोशिश की गयी।

यह नजदीकी ऊपरी तौर पर तो राजनीतिक ही लग रही थी लेकिन पहले काशी विश्वनाथ कॉरीडोर और अब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को धर्म का पंख लग गया है। काशी में सिर्फ काशी विश्वनाथ कॉरीडोर ही नहीं बना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी की आधारभूत संरचना में भारी भरकम निवेश किया गया।

बिजली, सड़कें, गलियां, घाट, पोखरे, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट सबको हजारों करोड़ रुपए के निवेश से निखारा गया। बाबा विश्वनाथ में आस्था के कारण तीर्थयात्री और पर्यटक तो पहले भी कम नहीं आते थे लेकिन काशी में भारी भरकम पूंजी निवेश ने उसे एक आकर्षक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित किया है।

मोदी ने काशी को क्योटो बनाने का वादा किया था, और बहुत हद तक वो इसमें सफल भी रहे हैं। हस्तकला संकुल, इंटरनेशनल कन्वेशन सेन्टर सहित अंतरराष्ट्रीय मानक की सुविधाएं विकसित होने से काशी की कला और संवाद परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच मिला है। मोदी शुरू से ही काशी के औद्योगिकीकरण से अधिक उसके पर्यटन को बढावा देने के पक्षधर रहे हैं और देशी विदेशी पर्यटकों की बढती संख्या के रूप में उसका परिणाम भी अब दिखने लगा है।

इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल धार्मिक और राजनीतिक रूप से ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के लिए आर्थिक रूप से भी वरदान साबित होने जा रहा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ ही प्रापर्टी के बड़े कारोबारी और होटल व्यवसायी अयोध्या पहुंचने लगे हैं। 19 फरवरी को लखनऊ में निवेश के जिन प्रस्तावों पर मुहर लगी उनमें अकेले अयोध्या में 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को मंजूरी मिली। इसमें लोढा ग्रुप द्वारा तीन हजार करोड़ रुपए की लागत से एक लक्जरी रेसिडेन्सियल सिटी बनाने का प्लान है तो कई बड़े होटल, रिसोर्ट खोलने का भी प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

इसी तरह काशी में 15 हजार करोड़ रुपए के पूंजी निवेश का भूमिपूजन हुआ जिसमें फाइव स्टार होटल से लेकर अन्य होटल और रिसोर्ट बनेंगे। लखनऊ के भूमि पूजन समारोह में जिन निवेशकों ने होटल, रिसोर्ट या रियलिटी सेक्टर में निवेश करने का वादा किया है उनमें सबसे अधिक काशी, अयोध्या, मथुरा और प्रयाग में ही निवेश का प्रस्ताव है।

रियलिटी सेक्टर में निश्चित रूप से नोएडा सबसे आगे है लेकिन तीर्थक्षेत्रों में निवेशकों का उत्साह बताता है कि भारत में धार्मिक यात्राएं ही व्यापार की सबसे प्रबल संभावना पैदा करती हैं। यह बात पूंजी निवेशक अब अच्छे से समझने लगे हैं।

इसलिए यूपी की योगी सरकार ने अगर धार्मिक स्थलों के पुनर्विकास पर ध्यान दिया है तो इसका जबर्दस्त आर्थिक लाभ भी प्रदेश को होता दिखाई दे रहा है। 19 फरवरी के भूमि पूजन में प्रदेश के प्रमुख सात तीर्थस्थानों पर 86 हजार करोड़ रुपए का निवेश होने जा रहा है, जिनका भूमिपूजन किया गया। इसमें काशी में 15 हजार करोड़, मथुरा में 13,500 करोड़ और अयोध्या में लगभग 10 हजार करोड़ के प्रस्ताव मिला दें तो करीब 40 हजार करोड़ का निवेश इन्हीं तीन तीर्थस्थानों में होने जा रहा है। निश्चित रूप से यह निवेश इन तीनों तीर्थस्थानों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पटल पर मजबूत होने में मदद करेगा।

काशी, मथुरा, अयोध्या के अलावा प्रदेश की योगी सरकार ने अन्य प्रमुख तीर्थक्षेत्रों के विकास पर भी ध्यान दिया है। इसमें विंध्यांचल में कॉरीडोर का निर्माण लगभग अंतिम चरण में है। योगी सरकार मथुरा वृन्दावन कॉरीडोर पर भी काम कर रही है। देवीपाटन, नैमिषारण्य के साथ ही कुंभ नगरी प्रयाग में भी आधारभूत ढांचे के विकास पर निरंतर काम हो रहा है। अगले साल 2025 में प्रयाग में महाकुंभ होनेवाला है जिसे देखते हुए अभी से योगी सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। राज्य की धर्म से करीबी का परिणाम यह हुआ है कि हर तीर्थक्षेत्र में निवेशक पहुंच रहे हैं।

अभी तक प्रदेश सरकारों की ओर से ताजमहल को ही प्रमुखता से प्रचारित किया जाता था जिसका लाभ आगरा को मिला। लेकिन अब मथुरा, काशी, अयोध्या, प्रयाग, विन्धाचल, देवीपाटन, नैमिषारण्य, कुशीनगर, सारनाथ, चित्रकूट पर ध्यान देने से पर्यटकों में यहां जाने की उमंग भी पैदा हो रही है। इस साल के भूमिपूजन में काशी मथुरा अयोध्या के अलावा प्रयाग के लिए 9 हजार 600 करोड़, नैमिषारण्य (सीतापुर) के लिए 21 हजार करोड़, चित्रकूट के लिए 7 हजार करोड़ और कुशीनगर के लिए 1100 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पिछले महीने जनवरी में की गयी एक रिसर्च में बताया गया है कि 2028 तक यूपी की अर्थव्यवस्था 500 बिलियन डॉलर की हो जाएगी। यूपी की इस आर्थिक ताकत को बनाने में सबसे अधिक अगर कोई मदद करेगा तो वह धार्मिक पर्यटन ही होगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल 2024 के खत्म होने तक यूपी में धार्मिक पर्यटन से 4 लाख करोड़ का कारोबार होगा। इससे राज्य सरकार को राजस्व के रूप में 20 से 25 हजार करोड़ रुपए प्राप्त होगा।

एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट का अनुमान है कि आनेवाले चार पांच सालों में अयोध्या सबसे बड़ा तीर्थक्षेत्र बनकर उभरेगा जहां सालाना 5 करोड़ देशी विदेशी पर्यटक रामलला का दर्शन करने पहुंचेंगे। इस तरह अयोध्या भविष्य में आगरा को पीछे छोड़ प्रदेश का नंबर वन पर्यटन केन्द्र बन जाएगा। इसके अलावा काशी, मथुरा और प्रयागराज तो अपनी तरह से देशी विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते ही हैं।

कहने का आशय यह कि जिन धर्मनगरियों को राजनीतिक रूप त्याज्य घोषित करके पूर्व की सरकारों ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयास किया था, वो पूरी तरह से गलत ही साबित हुए। मोदी और योगी ने प्रदेश की इस क्षमता को पहचाना और राजनीतिक रूप से मुखर होकर इन नगरों के विकास पर ध्यान दिया। धर्म की शरण में जाने से ही प्रदेश की आर्थिक तरक्की का रास्ता खुला है, यह अब खुली आंखों से दिख रहा है।

काशी विश्वनाथ कॉरीडोर और अयोध्या में रामलला का मंदिर न केवल प्रदेश की राज्यव्यवस्था के लिए बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी वरदान साबित हुआ है।

हां, इसके अलावा प्रदेश में औद्योगिक उत्पादन में भी बहुत सुधार हुआ है और आंकड़े बताते हैं कि 2022 में तमिलनाडु के बाद सबसे अधिक नये कारखाने यूपी में ही लगे हैं।

कांग्रेस-सपा आई साथ तो क्या भाजपा और एनडीए को होगा घाटा? यहां समझें सभी समीकरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 में 370 भाजपा को सीटें मिलने और एनडीए के 400 के पार जाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को समर्थन देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनडीए के प्रदेश में सभी 80 सीटों को जीतने का दावा किया है। मुख्यमंत्री के इस दावे को प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या और बृजेश पाठक समर्थन देते हुए बल देते हैं, लेकिन भाजपा के लक्ष्य रथ को रोकने के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इंडिया एलाएंस के बैनर तले साथ आ गई है। समाजवादी पार्टी के संजय लाठर कहते हैं कि हम भाजपा के इस रथ को उ.प्र. इस बार रोक देंगे।

कांग्रेस महासचिव अविनाश पाडे और अजय राय को भी इस गठबंधन से बड़ी उम्मीद है। आखिलेश यादव न केवल भाजपा को उ.प्र. की लोकसभा की 80 सीट में से आधी संख्या पर समेट देने का दावा कर रहे हैं, बल्कि इस बार लोकसभा उम्मीदवारों के चयन में भी बहुत सावधानी बरत रहे हैं। मसलन, बदायूं की सीट से अल्पसंख्यक समेत सभी वर्ग के मतों पर पकड़ रखने वाले चाचा शिवपाल सिंह यादव को उतार दिया है। आजमगढ़ की सीट लोक कलाकार और भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव (निरहुआ) से छीनने के लिए धर्मेंद्र यादव को बदायूं के साथ-साथ आजमगढ़ का भी प्रभारी बना दिया है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

2014, 2017, 2019 और 2022 के लोकसभा, विधानसभा चुनाव के नतीजे के आंकड़े चौकाते हैं। संजय लाठर भी कहते हैं आप कहीं मत जाइए। इसी आंकड़े को आधार बना लीजिए तो भाजपा उ.प्र. में केवल बड़ी बड़ी बातें कर रही हैं। हालांकि, 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 42.6 वोट मिले थे। उसके मतों में 2009 की तुलना में 24.80 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई थी।

भाजपा ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए लोकसभा चुनाव में 71 सीटों पर जीत हासिल की थी। उसके सहयोगी दल अपना दल को भी दो सीटें मिली थी और एनडीए 73 सीट जीतने में सफल रहा था। 02 सीट (7.55 प्रतिशत वोट और 2009 की तुलना में 19 सीट का नुसकान)कांग्रेस के पाले में आई थी।

जेल में बंद गरीब कैदियों को केंद्र की सौगात, जमानत दिलाने के लिए जारी किए 20 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। जेल में बंद गरीब कैदियों को जमानत दिलाने के लिए वित्तीय सहायता देने के लिए गृह मंत्रालय ने 20 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। गौरतलब है कि इसका लाभ जेल में बंद उन कैदियों को मिलेगा, जो अपनी जमानत राशि का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को लिखे पत्र में कहा कि प्रत्येक राज्य को निर्बाध धन के प्रवाह के लिए एक खाता खोलना चाहिए, ताकि ये पैसे जरूरतमंद लोगों को दिए जा सकें।

गरीब कैदियों के जारी किए 20 करोड़ रुपये की राशि

गृह मंत्रालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया कि मंत्रालय ने सालाना 20 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है, जिसका इस्तेमाल राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की जेलों में बंद गरीब कैदियों को जमानत दिलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके सफल कार्यान्वयन के लिए राज्यों को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया था।

गृह मंत्रालय ने राज्यों को दिए थे निर्देश

गृह मंत्रालय के नोटिस में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी जिलों में सशक्त समितियां और प्रदेश मुख्यालय स्तर पर निगरानी समिति का गठन करने को कहा गया था।

सार सुर्खिया

निज्जर के करीबी सिमरनजीत के घर पर गोलीबारी मामले में दो युवक गिरफ्तार, कनाडाई पुलिस की जांच जारी

ओटावा। खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर के करीबी सहयोगी के

घर के बाहर गोलीबारी की घटना के मामले में कनाडाई पुलिस ने कार्रवाई की है। जिसके तहत पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि इस घटना के लिए खालिस्तानी संगठन ने भारतीय एजेंसियों को दोषी ठहराया था।

गोलीबारी मामले में पुलिस ने की कार्रवाई, जांच जारी

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि निज्जर के करीबी सिमरनजीत सिंह के घर के बाहर एक फरवरी को गोलीबारी हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि पुलिस ने कहा कि जांच में अभी तक विदेशी हस्तक्षेप की बात सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि आरोप लगाया जा रहा था कि इस घटना के पीछे विदेशी ताकत का हाथ है।

मामले ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि जांच के चलते एक आवास पर छापेमारी की गई। जिसमें कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए, साथ ही आपत्तिजनक हथियार मिलें। जांच में तेजी लाते ही मामले से जुड़े दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीपीएमपी) ने कहा कि युवकों को फिलहाल जेल में रखा गया है, अगली कार्रवाई के लिए अदालत ने पेश किया जाएगा।

घटना के पीछे का कारण पारिवारिक कलेश- सूत्र

ब्रिटिश कोलंबिया गुरुद्वारा काउंसिल के प्रवक्ता मोनिंदर सिंह ने घटना के दौरान कहा था कि यह घर सिमरनजीत सिंह का है, जो निज्जर का दोस्त था, जिसकी पिछले जून में सरे में हत्या हुई थी। जिसके कारण भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। खालिस्तानी नेताओं ने कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह करने की कोशिश की। सूत्रों की मानें तो, घटना के पीछे का कारण पारिवारिक कलेश बताया जा रहा है।

हिना ने इमरान को बताया लोकलुभावनवाद का पोस्टर बॉय, कहा- सत्ता में रहते हुए विपक्ष की तरह करते थे काम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने इमरान खान को 'लोकलुभावनवाद का पोस्टर बॉय' बताया। उन्होंने कहा कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री अन्याय के मुद्दों के इर्द-गिर्द रैली करके देश की जनता को एकसाथ लाने में सक्षम थे। लेकिन सत्ता में रहने के दौरान उनके पास उन लोगों को संकट से बाहर निकालने की योजना नहीं थी। पीपीपी नेता खार ने यह टिप्पणी जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के इतर मीडिया से बात करते हुए यह टिप्पणी की।

'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक खार ने कहा, ₹इमरान लोकलुभावनवाद के पोस्टर बॉय हैं। वह हर किसी को यह बताने में सक्षम थे कि क्या गलत हो रहा है और क्या अन्याय है। लेकिन, जब वह सत्ता में आए, तो उनके पास उन लोगों को समस्या से बाहर निकालने के लिए कोई योजना नहीं थी। वह जब सरकार में भी होते हैं, तब भी विपक्ष की तरह काम करते हैं।₹

खार अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक देश की विदेश की विदेश मंत्री रहीं। वहीं, इमरान खान अगस्त 2018 में प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन, अप्रैल 2022 में अविश्वास मत के जरिए उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया गया था। इमरान खान अभी भ्रष्टाचार के मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खार ने इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और उनकी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का जिक्र किया और कहा कि आरोप-प्रत्यारोप की तुलना में सुलह बेहतर रास्ता है।

हर पंचायत में 'बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी' रखना सरकार का लक्ष्य, बोले ग्रामीण विकास मंत्री

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) सखियों ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए एनपीए को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार हर पंचायत में कम से कम एक एक सखी रखने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि सखियां बैंकों और ग्रामीण आबादी के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गई हैं। संस्थागत ऋण और अन्य बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच के साथ वह गांवों में लोगों की मदद के लिए घर-घर जाती हैं।

सरकार स्वयं सहायता समूहों के साथ दस करोड़ से ज्यादा महिलाओं को जोड़ने पर फोकस कर रही है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक, अभी करीब 1,22,915 सखियां हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि मंत्रालय का लक्ष्य देशभर की करीब ढाई लाख

पंचायतों में प्रत्येक में कम से कम एक बैंक सखी नियुक्त करना है।

उन्होंने कहा,स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भारत में उद्यमिता के लिए राजदूत हो सकती हैं। जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब स्वयं सहायता समूहों की एनपीए (गैर निष्पादित संपत्ति) 2014 में 9.59 फीसदी थी। अब यह घटकर 1.8 फीसदी हो गई है।

मंत्रालय के मुताबिक, 2013-14 से स्वंय सहायता समूहों द्वारा करीब 6.96 लाख करोड़ रुपये बैंक ऋण जमा किया गया है।

मंत्री ने कहा कि संस्थागत वित्त तक पहुंच और ब्याज पर दी गई छूट ने इन स्वयं सहायता समूहों में महिलाओं के लिए एक बड़ा अंतर पैदा किया है, जिसे उनके ऋण चुकाने की स्थिति में सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण (विजन) सतत आजीविका और महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास प्रदान करना है। हम बैंकिंग तक पहुंच को और आसान बनाने के लिए सभी पंचायतों में बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) सखियों और बैंक सखियों को रखने पर विचार कर रहे हैं।

स्वयं सहायता समूह की वह महिला जिसने कम से कम दसवीं कक्ष तक शिक्षा प्राप्त की है, उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है और इन पदों पर तैनात किया है। बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखियों और बैंक सखियों में अंतर यह है कि बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखियां बैंकिंग तक पहुंच प्रदान करने के लिए गांव तक जाती हैं।

जबकि, बैंक सखियां बैंक शाखाओं में तैनात हैं, ताकि लोगों को कागजी कार्रवाई और अन्य प्रक्रियाओं में मदद मिल सके।

जयपुरिया लखनऊ बना उद्यमिता का केंद्र, मयंक सिसोदिया को मिला शार्क टैंक इंडिया से 1 करोड़ का निवेश

जयपुरिया। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट हमेशा से ही अपने नवाचारों और विशेष पहलों के लिए जाना जाता है। साथ ही जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टूडेंट फर्स्ट के सिद्धांत को आगे रखता है, इसलिए यह संस्थान जो भी गतिविधियां संचालित करता है उसका मुख्य उद्देश्य छात्र विकास और उनकी भागीदारी होती है।

आज के बदलते परिवेश में कई सारे युवा नौकरी करने की जगह अपना खुद का बिजनेस या स्टार्टअप शुरू करने के प्रति काफी ज्यादा आकर्षित हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत में स्टार्टअप कल्चर काफी तेजी से बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप कई सारे युवाओं ने सफलतापूर्वक न सिर्फ खुद का स्टार्टअप शुरू किया है, बल्कि वो उसे आज नई ऊंचाइयों तक लेकर गए हैं।

भारत में बढ़ते हुए इसी स्टार्टअप कल्चर और युवाओं का इसके प्रति आकर्षण को समझते हुए, जयपुरिया

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने अपने यहां के छात्रों के ड्रीम्स को बढ़ावा देने के लिए अपने एमबीए पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा अर्थात एक्सपीरियंशियल एजुकेशन पर विशेष ध्यान दिया है।

इसके तहत वो छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खुद बिजनेस आईडिया या स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रोत्साहन और आर्थिक मदद भी प्रदान करने का कार्य करते हैं।

जयपुरिया लखनऊ कैंपस ने मैनेजमेंट के छात्रों के लिए डिजाइन थिंकिंग और एंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) जैसे पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा हैं।

इनका मुख्य उद्देश्य छात्रों को न्यू एज टेक्नोलॉजी और उद्यमिता कल्चर के अनुसार ज्ञान प्रदान करना हैं, ताकि वो प्रोफेशनल जगत के साथ-साथ खुद के स्टार्टअप के लिए तैयार हो सके।

रूसी पैनल कॉलोनी के प्रमुखों पर ब्रिटेन का प्रतिबंध, विपक्षी नेता नवलनी की मौत का ठहराया जिम्मेदार

लंदन। रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी की मौत ने दुनियाभर के देशों को हैरान कर दिया था। जिसके बाद रुस के विरोधी देशों ने तमाम प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस बीच, ब्रिटेन ने आर्कटिक पैनल कॉलोनी के प्रभारी वादिम कलिनिन पर प्रतिबंध लगा दिया है। बुधवार को सुनक सरकार ने इस बात की घोषणा की। नए प्रतिबंधों के तहत उनकी संपत्तियों को जब्त कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि वादिम कलिनिन उस जेल के देखरेख कर रहे थे, जहां नवलनी को दो सप्ताह तक अकेले रखा गया था।

आर्कटिक पैनल कॉलोनी के प्रभारी पर प्रतिबंध-डेविड कैमरन

यूके फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) के मुताबिक दावा किया गया कि तीन साल की जेल में नवलनी की हालत खराब हो गई थी और उन्हें चिकित्सा उपचार से जानबूझकर दूर रखा गया था। हिरासत के दौरान नवलनी को कई यातनाएं झेलनी पड़ी। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि यह स्पष्ट है कि रूसी अधिकारियों ने नवलनी को एक खतरे के रूप में देखा और उन्होंने उसे चुप कराने की बार-बार कोशिश की। रुस में शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों के लिए उन्हें बंदी बनाया गया, जिसके बाद उन्हें आर्कटिक दंड कॉलोनी(आर्कटिक पैनल कॉलोनी) भेज दिया गया। जहां लंबे समय तक उन्हें बा दुनिया से अलग-थलग रखा गया। डेविड कैमरन ने कहा कि वरिष्ठ जेल अधिकारी नवलनी की हिरासत के लिए जिम्मेदार है, जहां नवलनी ने अंतिम सांसे ली थी।

'इस तरह के कृत्य के लिए किसी को तो जम्मेदार ठहराना होगा'

ब्रिटेन सरकार ने कड़े शब्दों में कहा कि नवलनी के साथ हुए क्रूर व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों से सवाल पूछे जाएंगे, किसी न किसी को इसके लिए जवाबदेह ठहराएंगे। यूके फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) ने कहा कि ब्रिटेन एक राजनीतिक कैदी नवलनी की मौत के जवाब में प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश है, जिसने रूसी प्रणाली के भ्रष्टाचार को उजागर करने, स्वतंत्र और खुली राजनीति का आह्वान करने और क्रेमलिन को जिम्मेदार ठहराने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

रुस में विपक्षी नेता की मौत पर ब्रिटेन आग बबूला

पिछले शुक्रवार को नवलनी की मौत के बाद एफसीडीओ ने कहा कि उसने रूसी सरकार के एक प्रतिनिधि को यह स्पष्ट करने के लिए बुलाया कि उसकी मौत की पूरी तरह और पारदर्शी तरीके से जांच की जानी चाहिए। रूसी शासन में जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। नवलनी के परिवार को उनके शव तक पहुंच से रोका जा रहा है। ब्रिटेन ने भी रूसी अधिकारियों से उनके शव को तुरंत देने की मांग की है।

पुथुपल्ली में प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष पर की गई ऋ़क़पर रोक, सतीसन ने दायर की थी याचिका

कोच्चि। पुथुपल्ली में विरोध प्रदर्शन के चलते नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन पर की गई एफआईआर पर केरल हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर के तहत आगे की कार्यवाही अगली पोस्टिंग तिथि तक रोक दी जाएगी।

गौरतलब है कि वीडी सतीसन और कुछ कांग्रेस कार्यकताओं के खिलाफ कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। उन पर एक अस्थायी कर्मचारी के निष्कासन के खिलाफ पशु चिकित्सा उप केंद्र, पुथुपल्ली के परिसर में विरोध प्रदर्शन करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। बता दें यह आदेश

सतीसन की याचिका पर आया, जो पिछले हफ्ते दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी।

सीएम विजयन के बड़े आलोचकों में से एक सतीसन

गौरतलब है कि वीडी सतीसन लगातार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ बोलते रहे हैं। बीते रविवार को कांग्रेस ने केरल के मुख्यमंत्री

15 दिनों में आंतरिक चुनाव कराएगी इमरान की पार्टी, आम चुनाव के कारण स्थगित किए थे संगठनात्मक चुनाव

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 15 दिनों में नए सिरे से संगठनात्मक चुनाव कराएगी। इस महीने की शुरूआत में पीटीआई ने अपने आंतरिक चुनाव को स्थगित कर दिया था। पार्टी के अध्यक्ष गौहर खान ने कहा था कि इससे आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से ध्यान हट सकता है। आम चुनाव के बाद आंतरिक चुनाव कराया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि पीटीआई

(पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ) के भीतर होने वाले चुनाव के लिए गौहर अली खान को अध्यक्ष नामित किया गया है, जबकि रऊफ हसन मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। खबर में कहा गया है कि यह चुनाव देशभर में एक साथ आयोजित किए जाएंगे।

पीटीआई ने पिले साल चुनाव आयोग (ईसीपी) के निर्देश पर पार्टी का आंतरिक चुनाव कराया था। जिसमें गौहर खान पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे। हालांकि, इन परिणामों को पार्टी के असंतुष्ट कार्यकताओं ने चुनौती दी थी। बाद में अदालत ने इन परिणामों को रद्द कर दिया था। इसके बाद, ईसीपी ने पार्टी को उसके क्रिकेट बैट के चुनाव चिह्न से वंचित कर दिया था।

पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में नेशनल असेंबली में बहुमत हासिल किया था।

किसानों ने जबरन कलक्ट्रेट में घुसाए ट्रैक्टर, मेरठ में पुलिस से नोकझोंक, BKU ने किया बड़ा एलान

मुजफ्फरनगर। पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने आज ट्रैक्टर मार्च निकाला। इस मार्च के बीच जहां पश्चिमी यूपी के विन्नि जिलों में किसानों के मुद्दों को उठाते हुए किसान आंदोलन का समर्थन किया गया। वहीं मुजफ्फरनगर से भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत ने बड़े आंदोलन की तैयारी करने का एलान कर दिया।

जिले में मार्च के दौरान एक किसान ने आत्मदाह का भी प्रयास किया जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। बता दें कि पंजाब में चल रहे आंदोलन की आंच धीरे धीरे पश्चिमी यूपी तक पहुंच गई है। वहीं वेस्ट यूपी से बड़े किसान आंदोलन की सुगबुगाहट से चर्चा का बाजार गर्म हो गया है।

मुजफ्फरनगर कलेक्ट्रेट में किसान ने खुद को आग लगाई

मुजफ्फरनगर में भाकियू का धरना प्रदर्शन समाप्त होते ही बुढ़ाना से पहुंचे किसान ने खुद को आग लगा ली। किसान बृजपाल ने बुढ़ाना स्थित बैंक में घोटाले का आरोप लगाया। जैसे ही पंचायत समाप्त हुई, मुख्य मंच के पीछे अचानक किसान ने खुद को आग लगा ही। किसान को भाकियू कार्यकर्ताओं ने किसी तरह बचाया।

इसके बाद पहुंची पुलिस किसान को अपने साथ ले गई।

भाकियू के आह्वान पर आज वेस्ट यूपी के विभिन्न जिलों में अलग-अलग रास्तों से किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर कलक्ट्रेट तक पहुंचे। मुजफ्फरनगर में ट्रैक्टरों पर सवार होकर किसान व कार्यकर्ता कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां किसान धरने पर बैठे रहे, बाद में ज्ञापन सौंपने के बाद धरना समाप्त किया गया।

धरने के दौरान भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत किसानों के बीच पहुंचे तो वहीं प्रवक्ता राकेश टिकैत ट्रैक्टर मार्च में शामिल होकर मेरठ कलक्ट्रेट पहुंचे और यहां धरने पर बैठे। भाकियू जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा ने कहा कि एमएसपी और किसानों की अन्य समस्याओं का समाधान करने में सरकार नाकाम रही है।

भाकियू अध्यक्ष बोले-बड़े आंदोलन की करो तैयारी

मुजफ्फरनगर में भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने ट्रैक्टर मार्च के दौरान कलक्ट्रेट में धरना पदर्शन के बीच कहा की 26 फरवरी को किस सड़कों पर उतरकर किसान विरोध करेंगे। हरिद्वार से दिल्ली तक अपने अपने क्षेत्र में किसान ट्रैक्टर खड़े करेंगे।

मौसम का बदला मिजाज किसानों के लिए तबाही लेकर आया, बारिश के साथ कई शहरों में ओलावृष्टि

फतेहपुर। यूपी के कई शहरों में मौसम का बदला मिजाज किसानों के लिए तबाही लेकर आया। महोबा जिले में बुधवार की शाम बारिश के साथ करीब दस मिनट हुई ओलावृष्टि से महोबकंठ क्षेत्र के करीब दस गांवों की फसलें बर्बाद हो गईं। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल जहां बिछ गईं। वहीं बारिश से चना और मटर की फसल प्रभावित हुई है। जिससे किसान अपनी किस्मत पर आंसू बहा रहे हैं।

बुंदेलखंड की पठारी धरती पर मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया। बुधवार की दोपहर करीब ढाई बजे आधा घंटे तक रिमझिम बारिश हुई। हालांकि, बारिश थमने के बाद कुछ देर के लिए धूप निकली लेकिन

शाम करीब साढ़े पांच बजे एक बार फिर बारिश शुरू हो गई। इस दौरान शहर में हल्के ओले भी गिरे। बारिश के चलते गलियां व सड़कें जलमग्न हो गईं। उधर, यूपी-एमपी की सीमा के निकट स्थित जिले के महोबकंठ क्षेत्र में बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से फसलें तबाह हो गई। बगरौनी, चौका, सौरा, रावतपुराकलां, मानकी, कुआंखेड़ा, गाडो समेत दस गांवों में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसल बिछ गई।

कुलपहाड़ संवाद के अनुसार, मौसम के अचानक बदलने से शीतलहर का प्रकोप फिर से शुरू हो गया है। बारिश से किसान परेशान हैं। इस समय मटर की कटाई चल रही है और चने की फसल में फूल आना शुरू हो गए हैं। अचानक बारिश होने से फसल के खराब होने का अंदेशा हो गया है। वहीं चने की फसल में फूल झड़ने से उत्पादन कम होने की आशंका है। किसान सुंदर, हरि सिंह, नेपाल आदि का कहना है की गेहूं की फसल में पानी तो लगा लेकिन फसल गिरने से खराब होने का डर है।

वहीं चना और मटर में काफी ज्यादा नुकसान है।

कृषि विज्ञान केंद्र बेलाताल के वैज्ञानिक एसपी सोनकर का कहना है कि आगामी दो दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। आसमान में बादलों की आवाजाही होती रहेगी। कहीं-कहीं रिमझिम बारिश की भी संभावना है। उधर, उपकृषि निदेशक डॉ. अभय कुमार सिंह यादव का कहना है कि जिन गांवों में ओलावृष्टि की सूचना है। वहां सर्वे कराकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

तेज आंधी में 33 हजार के पोल, इंसुलेटर टूटे, 20 घंटे से आपूर्ति बाधित

फतेहपुर जिले के बहुआ में तेज आंधी से 33 हजार लाइन के पोल और इंसुलेटर टूटने से विद्युत उपकेंद्र बहुआ, दतौली उपकेंद्र की आपूर्ति 20 घंटे से बाधित है। इससे दोनों उपकेंद्रों से जुड़े करीब 100 गांवों में बिजली आपूर्ति ठप है।

सपा सांसद को लेकर भाजपा नेता के बिगड़े बोल, कहा- बर्क को बर्फ में लगाने का काम करेगी जनता

संभल। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा ने सपा को आड़े हाथों लिया। सपा सांसद बर्क को लेकर उन्हें बोल बिगड़ गए। उन्होंने कहा कि आज मैं यहां संभल में हूं। आगामी चुनाव में यहां के सांसद बर्क को बर्फ में लगाने काम भारतीय जनता पार्टी की सेना करेगी।

चंदौसी में व्यापारी सम्मेलन के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश संयोजक विनीत शारदा ने कहा कि एक ओर मोदी के रूप में श्रीराम की सेना है, तो दूसरी ओर इन घमंड़ियों की सेना है। राहुल, अखिलेश, ममता, वामपंथियों की रावण की सेना है। रावण रूपी सेना को जनता रूपी सेना परास्त करेगी। आगामी चुनाव में देश की 1.40 करोड़ जनता तीसरी मोदी का राजतिलक करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि व्यापारी भाजपा के साथ था, साथ है और रहेगा। 2017 से पहले प्रदेश में सपा की सरकार थी। व्यापारी को गन प्वाइंट पर लूट लिया जाता था। उस समय अंबानी, अडानी, देश विदेश का कोई भी उद्यमी प्रदेश में कारोबार नहीं करता था। 80 जिलों के सूबे में पांच जिलों को बिजली मिलती थी। सड़कों में गड्ढे थी। अखिलेश यादव को पता है कि उनकी सियासत की जमीन खिसक चुकी है।

वहीं, उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य की तुलना जयचंद से की।

ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद की राह चले स्वामी प्रसाद मौर्य, कल दिल्ली में दिखाएंगे ताकत

लखनऊ। बसपा, भाजपा और सपा का राजनीतिक सफर तय कर चुके पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य अब खुद की पार्टी के जरिये स्वतंत्र वजूद स्थापित करना चाहते हैं। वे सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर और निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद की तर्ज पर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं। ताकि, भविष्य में अपना दल भी हो, विधायक भी हों और सत्ता में भागीदारी के लिए अपनी बात मनवाने की क्षमता भी हो। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 22 फरवरी को होने वाले सम्मेलन में स्वामी प्रसाद मौर्य अपने इसी तरह के इरादों को सामने रखते हुए मिलेंगे।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य अभी तक किसी न किसी बड़े राजनीतिक दल के हिस्सा रहे हैं। बसपा सरकार और संगठन में महत्वपूर्ण स्थिति में रहे तो भाजपा सरकार में भी उन्हें कैबिनेट मंत्री का पद मिला। उनकी बेटी संघामित्रा मौर्य भी भाजपा के टिकट पर पिछला लोकसभा चुनाव जीतीं।

विधानसभा चुनाव से ऐन पहले वह कैबिनेट मंत्री के पद से इस्तीफा देकर सपा में आ गए। खुद विधानसभा चुनाव तो हार गए, पर सपा ने उन्हें विधान परिषद में भेजने के साथ-साथ राष्ट्रीय महासचिव के पद से भी नवाजा। इन दलों में वह महत्वपूर्ण स्थिति में तो रहे, पर अब स्वामी प्रसाद ऐसे दल को खड़ा करना चाहते हैं, जिसके वह सर्वेसर्वा हों।

अपने इस उद्देश्य में वह कितना सफल होंगे, यह तो भविष्य ही बताएगा, लेकिन गुरुवार को दिल्ली में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) का प्रतिनिधि सम्मेलन इसी उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2024: गड़बड़ी व मिलीभगत पर होगी एफआईआर, जेल भी जाएंगे, 12 दिन में पूरी होगी परीक्षा

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी और मिलीभगत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी और जेल भी भेजा जाएगा। 22 फरवरी से शुरू हो रही परीक्षा 12 कार्य दिवसों में पूरी होकर 9 मार्च को समाप्त हो जाएगी।

लखनऊ में यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार ने प्रेसवार्ता की और तैयारियों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रीक्षा समाप्त होने से पहले पेपर सोशल मीडिया पर वायरल करने पर कड़ी कार्यवाई की जाएगी।

वहीं, भ्रामक खबरों की जानकारी व सच का पता लगाने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम का भी गठन किया गया है।

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा ने बताया कि यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 के लिए 8,265 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 15,71,184 छात्र तथा 13,76,127 छात्राएं (कुल-29,47,311) एवं इण्टरमीडिएट के 14,28,323 छात्र तथा 11,49,676 छात्राएं (कुल-25,77,997) सम्मिलित होंगे। कुल 55,25,308 परीक्षार्थियों में से 53,60,745 संस्थागत एवं 164563 व्यक्तिगत परीक्षार्थी हैं।

नकल पर प्रभावी रोकथाम के कारण वर्ष 2024 में 1,64,563 छात्र/छात्राएं व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में पंजीकृत हुए हैं जबकि 2017 में यह संख्या 3,53,106 थी। इसके अन्तर्गत बा प्रदेशों से 2017 में पंजीकरण कराने वाले 1,50,209 परीक्षार्थियों के स्थान पर वर्ष 2024 में बा प्रदेशों व अन्य बोर्डो के परीक्षार्थियों की संख्या भी मात्र 4905 रह गयी है।

वर्तमान सरकार द्वारा परीक्षा केन्द्रों

सार सुर्खिया

सट्टा माफिया समेत तीन की संपत्ति कुर्क, पुलिस ने 3.97 करोड़ की संपत्ति कब्जे में ली

फरूर्खाबाद। फरुर्खाबाद जिले में सट्टा माफिया गैंग लीडर हसनैन व उसके साथी पूर्व जिला पंचायत सदस्य की पत्नी समेत तीन सट्टा माफिया की 3.97 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली गई। परिजनों को घरों से निकाल दिया। वाहन भी कब्जे में ले लिए। इससे पहले मुनादी कराई गई। पूर्व जिला पंचायत सदस्य की पत्नी और उसकी मां ने हाईवोल्टेज ड्रामा किया। वह पुलिस कर्मियों को कोसती रही।

तहसीलदार श्रद्धा पांडेय राजस्व विभाग की टीम और मऊदरवाजा थाना पुलिस के साथ कुइया बूट पहुंचीं। वहां मुख्यमार्ग से मुनादी शुरू कर सट्टा गैंग में शामिल पारुल मिश्रा के घर पहुंचे। माइक से मकान कुर्क करने की जानकारी दी गई। इसके बाद महिला पुलिस के साथ तहसीलदार ने घर में मौजूद पारुल और उसकी मां से सामान निकालने की बात कही। पारुल की मां ने विवाद खड़ा कर दिया। इस पर महिला पुलिस ने उसे पकड़कर मकान के बाहर किया। मुख्य गेट पर सील लगाकर कुर्की कार्रवाई की गई। कुर्क मकान की कीमत 25.96 लाख व कार, स्कूटी व बाइक की कीमत 5,75,886 रुपये है।

इसके बाद पूरी टीम मोहल्ला खटकपुरा सिद्दीकी पहुंची। यहां आम वाली मस्जिद के आसपास कुर्की की मुनादी कराई गई। टीम ने सट्टा माफिया हसनैन के घर पहुंचकर उसकी पत्नी नसीमा बानो और बेटी अफसाना से बाहर निकलने के लिए कहा। परिजनों ने कुछ सामान बाहर निकाला। राजस्व विभाग ने मकान में सील लगा दी। हसनैन के दो मकानों की कीमत 28.40 लाख व बेटे के नाम कार, दो बाइकों की कीमत 2.51,485 रुपये है।

इसके बाद अफसरों की टीम भोलेपुर पालीवाल वाली गली निवासी सट्टा माफिया सर्वेश पाल के बिजाधरपुर स्थित पांच आवासीय प्लाटों पर पहुंची। वहां कुर्की के बोर्ड लगा दिए गए। इनकी कीमत 3,24,29,000 रुपये है। इसके अलावा कार व थ्रीव्हीलर की कीमत 7,77,280 रुपये, बैंक खाते में 3,08,815 रुपये की कुर्की कार्रवाई की गई। सट्टा माफिया हसनैन समेत तीनों की कुल 3,97,78,466 रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली गई है।

लीडर हसनैन के गैंग में शामिल हैं 13 सट्टा माफिया

शहर के मोहल्ला खटकपुरा सिद्दीकी निवासी सट्टा माफिया हसनैन गैंग लीडर है। उस पर शहर कोतवाली में जुआ, सट्टा, गुंडाएक्ट, हत्या का प्रयास, एनडीपीएस एक्ट समेत कई अपराधों के 30 मुकदमे दर्ज हैं। उसके गैंग में उसका पुत्र सरताज, दिलशाद के अलावा गढ़ी अब्दुल मजीद खां का राजू उर्फ इरशाद, बक्कास, खटकपुरा का चांद मियां, डबग्रान का सोहिल, दरीबा पूर्व का गुड्डन उर्फ मनोज, जंगबाज खां का पप्पू उर्फ रामप्रसाद, कुइया बूट की पारुल मिश्रा, खटकपुरा का अशफाक, भोलेपुर पालीवाल वाली गली निवासी सर्वेश पाल व खटकपुरा का रोहित शामिल हैं। पारुल व सर्वेश पाल पर जुआ समेत तीन-तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की रडार पर गैंगस्टर के मामले में अन्य अपराधी भी आरोपी हैं।

एक मंत्री से संबंध भी न आए काम

शहर के मोहल्ला बागकूंचा निवासी राजेश मिश्रा उर्फ टिंकू पूर्व जिला पंचायत सदस्य हैं। उनके एक मंत्री व विधायक से नजदीकी संबंध हैं। वहीं पुलिस ने उनकी पत्नी पर भी कुर्की कार्रवाई कर दी। पत्नी फोन पर बात करती रही, मगर कोई अपनी बात रखने भी नहीं पहुंचा।

पारुल के निवास के लिए एक आवास रखा अलग

जिला मजिस्ट्रेट ने कुइया बूट की पारुल मिश्रा सहित तीनों आरोपियों के कुर्की आदेश में मानवीय आधार पर अभियुक्त और उसके परिजनों के निवास के लिए एक आवास जब्तीकरण से अलग रखने के लिए कहा था। मऊदरवाजा इंस्पेक्टर आमोद कुमार सिंह ने बताया कि पारुल की मां के नाम एक आवास है। उसे कुर्क नहीं किया गया है। परिवार उसी में रहेगा। हसनैन का दूसरी गली में तथा सर्वेश का भी अलग रिहायशी आवास है। उसे जब्त नहीं किया गया।

सपा-कांग्रेस गठबंधन: वाराणसी सहित 17 सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस, न्याय यात्रा में शामिल होंगे अखिलेश यादव

लखनऊ। यूपी में लोकसभा चुनाव के लिए सपा व कांग्रेस के बीच गठबंधन का एलान हो गया है। कांग्रेस 17 सीटों चुनाव लड़ेगी जबकि बाकी बची 63 सीटों पर हमारे सभी सहयोगी दलों को जगह दी जाएगी।

लखनऊ में आयोजित संयुक्त प्रेसवार्ता में कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि हम मिलकर लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ेंगे। कांग्रेस पूरे देश को जोड़ने का लगातार प्रयास कर रही है। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का विशेष रूप से उल्लेख किया और कहा कि हम उनके प्रति आभार जताते हैं कि उनके प्रयासों से ही यह गठबंधन अंजाम तक पहुंचा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी सुविधानुसार भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे।

इस मौके पर सपा के नेता व राष्ट्रीय

प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि हम भारत को बचाने के लिए और भाजपा को हटाने के लिए एक साथ आए हैं। आज किसान परेशान हैं। जवान परेशान हैं।

लोकतंत्र खतरे में है। ऐसे में हम भाजपा को हटाने के लिए संकल्प लेकर एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन भाजपा को सत्ता से हटाने में सक्षम है। भाजपा ने जो वादे किए ठीक इसके विपरीत आचरण किया है। हमें भरोसा है कि देश में फैले अन्याय को दूर करने में ये गठबंधन कामयाब रहेगा।

इस मौके पर सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि गठबंधन में तय हुआ है कि यूपी में 17 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी।

वहीं, 63 सीटों पर सपा के प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरेगी। कांग्रेस ने सपा को मध्य प्रदेश की खजुराहों सीट दी है।

आवारा कुत्तों ने मासूम बच्चे को नोंचकर मार डाला, परिवार में छाया मातम, गांव में दहशत का माहौल

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जनपद के चरथावल में आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर एक छह साल के बच्चे को मार डाला। मृतक बच्चा बहेड़ी स्कूल में कक्षा तीन का विद्यार्थी था। बुधवार शाम को वह बच्चों के साथ बाबा के पास खेत पर जा रहा था।

गांव होशियारपुर निवासी ओमकार का बेटा देव उर्फ गोलू (6) बुधवार शाम करीब चार बजे खेत पर बाबा चमनलाल से पास जा रहा था।

उसके साथ कई बच्चे भी थे। रास्ते में चार-पांच कुत्तों के समूह ने उसे घेर लिया और नोंचना शुरू कर दिया। भयभीत होकर अन्य बच्चे भाग गए।

वहीं, कुत्तों के हमले से डरा सहमा बच्चा चीखने लगा। इसी बीच उसके बाबा मौके पर पहुंच गए। उन्होंने कुत्तों के चुंगल से पोते को बचाया, लेकिन उसकी गर्दन और छाती पर दर्जनों घाव बने थे।

आनन-फानन परिजन बच्चे को लेकर स्वामी कल्याण देव जिला चिकित्सालय पहुंचे।

बच्चे के चाचा सोनू को चिकित्सकों ने घायल को मेरठ रेफर करने की बात कही।

उसने चिकित्सकों से यहीं उपचार करने की गुजारिश की।

उसके बाद इलाज शुरू हुआ, लेकिन कुछ घंटे बाद ही उसकी मौत हो गई।

गमजदा परिजन बच्चे का शव लेकर गांव पहुंचे। बच्चे ताऊ संजय ने बताया कि शव का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को होगा।

पर्यटकों को देखते ही बाज की तरह टूट पड़ते हैं लपके, ताजमहल व किला के पास से सात पकड़े गए

आगरा। ताजनगरी आगरा में पर्यटकों के आते ही लपके सक्रिय हो जाते हैं।

इसके बाद उनका पीछा करते हैं। पर्यटन पुलिस ने बुधवार को एसीपी ताज सुरक्षा के नेतृत्व में ताजमहल, शिल्पग्राम और आगरा किला पर लपकों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान सात लपके धरे गए।

अभियान के दौरान पर्यटकों के साथ खींचतान कर रहे ताजगंज के धांधूपुरा निवासी दिनेश, राघवेंद्र, पातीराम बगीची निवासी बब्बू, रकाबगंज के चीलगढ़ निवासी अनिल सोनकर, हरीपर्वत के बाग मुजफ्फर खां निवासी हर्ष, बसंत विहार दिल्ली निवासी अंकित और डौकी के कछपुरा निवासी

अजय सहित सात लपकों को गिरफ्तार कर लिया।

इन सभी के खिलाफ धारा 151 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की गई। बताते चलें कि इससे पहले भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है।

लेकिन कार्रवाई के बाद कुछ समय तक तो लपके इधर-उधर हो जाते हैं। टीम ते जाते ही वह फिर से पर्यटकों पर बाज की तरह झपट पड़ते हैं।

इससे पर्यटकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जामा मस्जिद के बाद ईदगाह रेलवे स्टेशन का भी बदलेगा नाम? इस मंदिर के नाम पर रखने की उठी मांग; लिखा पत्र

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में ईदगाह रेलवे स्टेशन का नाम शहर के प्राचीन रावली महादेव मंदिर के नाम पर रखने की मांग उठी है। पूर्व मंत्री और छावनी विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने डीआरएम और शासन को इसके लिए पत्र लिखा है। रेलमंत्री और केंद्र सरकार को भी पत्र भेज रहे हैं।

बताते चलें कि दो दिन पहले जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का नाम मनःकामेश्वर मंदिर स्टेशन किया गया है। विधायक ने बताया कि आगरा फोर्ट स्टेशन से कोटा जंक्शन के बीच ईदगाह रेलवे स्टेशन है। इसका 12.8 करोड़ रुपये से विकास किया जा रहा है। भविष्य में इसे केंद्रीय स्टेशन के तौर पर विकसित किया जाएगा।

बताया कि ईदगाह रेलवे स्टेशन गुलामी का प्रतीक है। ईदगाह रेलवे स्टेशन के पास ही सैकड़ों साल पुराना रावली महादेव मंदिर है। लाखों लोगों की भावनाएं जुड़ी हैं।

बोलीं- भाजपा के चारों स्तंभ 'नारी, युवा, किसान और जवान' आक्रोशित; सभी परेशान

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बुधवार को सांसद डिंपल यादव पहुंचीं। यहां उन्होंने जन संपर्क किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार नौकरी नहीं दे पा रही है। पुलिस की नौकरी आई तो लेकिन वह भी जांच का विषय बन गई। क्योंकि, पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं।

राहुल गांधी के बयान 'यूपी के युवा रात में शराब के नशे में घूमते हैं' पर कहा कि युवा बेरोजगार हैं। उनके पास काम नहीं है। वह हताश हैं। उनकी आशाएं धीरे-धीरे कम होती जा रहीं हैं। कहा कि बदायूं से धर्मेंद्र यादव के टिकट कटने और शिवपाल सिंह यादव को उम्मीदवार बनाए जाने पर कहा कि यह राष्ट्रीय नेतृत्व का फैसला है। आगे भी ऐसे बदलाव हो सकते हैं।

उन्होंने भाजपा सरकीर को निशाने पर लिया। कहा कि एक तरफ जहां ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की बात हो रही है, वहीं दूसरी तरफ किसान की स्थिति बेहाल है। देश में किसान व जवान दोनों स्तंभों को सरकार ने बुरी तरह हिलाने का काम किया है। मुझे खुशी है कि आज अलायंस होने जा रहा है। यह अलायंस मजबूती के साथ सरकार का सामना करेगा। भाजपा फ्रंट में फेल नजर आ रही है।

कहा कि चार स्तंभों की बात हुई थी। नारी की, युवाओं की, किसानों की और जवानों की। आज कोई भी खुश नहीं है। सरकार अग्निवीर योजना लेकर आई है। हमारे गांव के किसान के बच्चे फौज में जाते हैं। उनके सामने भी समस्या है। 10 साल की केंद्र की सरकार ने गांव, युवा, देश की अर्थव्यवस्था सबको बर्बाद करने का काम किया है। सात वर्षों से उत्तर प्रदेश की सरकार बी इसमें शामिल है।

समाजवादी पार्टी शुरू से ही चाह रही थी कि गठबंधन हो, लेकिन थोड़ी देरी हुई है। इसके लिए सभी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोगों को बधाई देना चाहती हूं। गठबंधन आखिरकार अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच गया। आगे आप देखेंगे कि इसके परिणाम बहुत ही अच्छे होंगे। सभी लोगों का समर्थन मिलेगा।

आज भाजपा कह रही है कि 'युवा हमारे हैं, नारी हमारी है, किसान हमारे हैं और जवान हमारे हैं'। यह सभी चारों स्तंभ भाजपा से आक्रोशित हैं। दुःखी भी हैं।